

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 30, 09 नवम्बर से 15 नवम्बर, 2025

मूल्य- 10 रुपये | पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

दर्शकों के प्यार से गदगद मोनालिसा, नए प्रोजेक्ट की सफलता का मनाया जश्न

8



यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



काशी से देश को सौगात: पीएम मोदी ने चार नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

बोले- ये यात्राएं राष्ट्र की आत्मा को जोड़ने की परंपरा हैं

वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से देश के रेल नेटवर्क को एक बड़ी मजबूती प्रदान की है। उन्होंने बनारस रेलवे स्टेशन से एक साथ चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इन हाई-स्पीड ट्रेनों को केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित न रखते हुए, देश की सांस्कृतिक और भावनात्मक एकता का प्रतीक बताया। यह लोकार्पण भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में मोदी सरकार के



महत्वाकांक्षी एजेंडे को दिखाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा इस साल का 5वां दौरा था और वाराणसी के सांसद के रूप में यह उनका 53वां दौरा था। लोकार्पण समारोह में पीएम मोदी ने 'नमः पार्वती पतये' के उद्धोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। अपने

संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ा। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि आज देश में शुरू की गई वंदे भारत, नमो भारत और नम्रुत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं।

एक अहम कदम बताया

पीएम ने कहा कि आज जब ये पावन धाम वंदे भारत के नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, तो यह एक तरह से भारत की संस्कृति, आस्था और विकास को जोड़ने का भी काम कर रहा है। उन्होंने इस पहल को भारत की विरासत के शहरों को देश के विकास का प्रतीक बनाने की दिशा में एक अहम कदम बताया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने काशी के विकास कार्य, विशेष रूप से स्वास्थ्य सुविधाओं में हुई प्रगति पर जोर दिया।

उन्होंने इसे भारतीय रेलवे को पूरी तरह से बदलने का एक व्यापक अभियान बताया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक ऐसी ट्रेन है जो 'भारतीयों की, भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए' बनाई गई है और जिस पर देश के हर नागरिक को गर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि जिस तरह से भारत ने विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए अपने साधनों को श्रेष्ठ बनाने का अभियान

शुरू किया है, ये आधुनिक ट्रेनें उसमें एक मील का पथर बनने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ये यात्राएं केवल देवदर्शन का मार्ग नहीं हैं, बल्कि ये भारत की आत्मा को जोड़ने वाली पवित्र परंपरा हैं। उन्होंने प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट और कुरुक्षेत्र जैसे अतृणित तीर्थ क्षेत्रों का उल्लेख किया, जो हमारी आध्यात्मिक धारा के केंद्र हैं।

'आर्थिक नीतियों में सुप्रीम कोर्ट दखल नहीं देता

जब तक मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न हो'

नई दिल्ली

चीफ जस्टिस (सोनेआई) बीवाई गर्व ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका हमेशा कानून के शासन की रक्षक रही है और सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करता है कि वह आर्थिक नीतियों से जुड़े मामलों में तब तक दखल न दे, जब तक कि मौलिक अधिकारों या संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन न हो। सीजेआई वाणिज्य न्यायालयों के स्थायी अंतरराष्ट्रीय मंच की छठी पूर्ण बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक और कॉर्पोरेट मामलों में पारदर्शिता और कॉर्पोरेट मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सतर्क रहा है और उसने कानूनी या कॉर्पोरेट ढांचे के दुरुपयोग के हर प्रयास को खारिज किया है। सीजेआई ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित किया है कि



वह आर्थिक नीतियों से जुड़े मामलों में तभी दखल दे, जब मौलिक अधिकारों या संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन हो। इसी तरह, अदालत ने यह भी दोहराया कि किसी भी वाणिज्यिक कानून की कोर्ट सतर्क रहा है और उसने कानूनी या कॉर्पोरेट ढांचे के दुरुपयोग के हर प्रयास को खारिज किया है। सीजेआई ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित किया है कि

ने हमेशा आर्थिक स्वतंत्रता, नियामक अनुशासन और निष्पक्षता के बीच संतुलन बनाए रखा है। उन्होंने कहा, 'अदालत ने स्पष्ट किया है कि राज्य की शक्तियां, खासकर कराधान और विनियमन के मामलों में, स्पष्ट कानूनी आधार पर टिकनी चाहिए और संविधान की सीमाओं के भीतर काम करनी चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि नियामक निकायों को वित्तीय स्थिरता और सार्वजनिक विकास बनाए रखना चाहिए, लेकिन उनके कदम हमेशा उचित और अनुपातिक होने चाहिए।

सीजेआई ने आगे कहा कि वाणिज्यिक और कॉर्पोरेट मामलों में सुप्रीम कोर्ट पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करने में सतर्क रहा है और उसने कानूनी या कॉर्पोरेट ढांचे का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी से लाभ उठाने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार किया है।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा को मिल रहा भारी जन-समर्थन

नई दिल्ली

दिल्ली के पवित्र छतरपुर मंदिर से 7 नवंबर को बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सनातन हिंदू एकता पदयात्रा 2025 का शुभारंभ किया। यह 10 दिवसीय पदयात्रा दिल्ली से होते हुए हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 422 से अधिक क्षेत्रों से गुजरकर 16 नवंबर को वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में महासभा के साथ संपन्न होगी। हम आपको बता दें कि इस पद यात्रा को भारी जनसमर्थन मिल रहा है।

पदयात्रा के फरीदाबाद पड़ाव पर हजारों श्रद्धालु शामिल हुए, जिनमें देश के धार्मिक, खेल और मनोरंजन जगत की कई नामचीन हस्तियां भी नजर आईं। इस मौके पर भारतीय रेसलर द ग्रेट खली, क्रिकेटर उमेश यादव और पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने भी भाग लिया। ग्रेट खली ने कहा, हर किसी को इस पदयात्रा का हिस्सा बनकर इसे सफल बनाना चाहिए। वहीं, शिखर धवन ने कहा, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री



का उद्देश्य हिंदुओं को जातिगत भेदभाव से ऊपर उठाकर एकजुट करना है। मजबूत भारत के लिए हिंदुओं का एक होना जरूरी है। उमेश यादव ने भी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा, यह सब भगवान की कृपा है। हर व्यक्ति को अपने धर्म और ईश्वर के प्रति जागरूक होना चाहिए।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी उपस्थित रहे और धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात कर यात्रा को आशीर्वाद दिया, इस पद यात्रा में अयोध्या स्थित हनुमानगढ़ी

के महंत राजू दास महाराज भी शामिल हैं। उधर, आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा, राष्ट्र एकजुट हो रहा है, हिंदू जाग रहा है और सड़क पर आ रहा है।

भारत जागो, जातिवाद से मुक्त होगा और राष्ट्रवाद की विचारधारा प्रबल होगी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह यात्रा यमुना को गंगा की तरह वलित बनाने और सनातन धर्म की अखंड एकता को स्थापित करने का प्रयास है।

रेल मंत्री ने वाराणसी में तीन स्टेशनों का किया निरीक्षण



वाराणसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बनारस,वाराणसी और काशी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का जांच का लिया। इस दौरान रेल मंत्री ने कहा कि तीनों स्टेशनों को मिलाकर मास्टर प्लान बनाया जाएगा। जिसमें यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष फोकस रहेगा। रेल मंत्री ने कहा कि बनारस से जुड़े रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य उसकी हेरिटेज को ध्यान में रखते हुए करवाया जाएगा।

बनारस से खजुराहो तक जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन समारोह में भाग लेने आए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तीनों स्टेशनों का निरीक्षण कर अधिकारियों से स्टेशनों पर चलने वाले विकास कार्यों की निर्यमित मॉनिटरिंग करते रहने को कहा। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों से जुड़े मॉडल को भी देखा। रेल मंत्री ने कहा कि दिल्ली रेलवे स्टेशन की तरह ही वाराणसी रेलवे स्टेशन पर भी स्थाई होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। जिससे कि बड़े त्यौहार और अन्य आयोजन में यात्रियों को कोई परेशानी ना हो। अपने निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री तीनों स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के साथ-

साथ रेलवे कॉलोनी में रहने वाले लोगों की भी स्थिति जानने भी पहुंचे। रेल मंत्री ने कहा कि वाराणसी रेलवे स्टेशन पर रोपवे स्टेशन भी बन रहा है। ऐसे में रोपवे और बनारस स्टेशन को जोड़कर एक प्लान बनाया जाएगा, जिससे कि यात्रियों को कोई परेशानी ना हो। साथ ही उन्होंने कहा कि काशी रेलवे स्टेशन को एक बड़ा स्टेशन बनाया जाएगा। जहां से कई गाड़ियां चलाई जाएगी। बनारस रेलवे स्टेशन से साउथ की ओर जाने वाली सभी गाड़ियों को चलाने का प्लान है।

सिमेचर ब्रिज की डिजाइन पूरी, बहुत जल्द शुरू होगा काम रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मालवीय पुल पर बनने वाले सिमेचर ब्रिज की डिजाइन पूरी हो गई है। बहुत जल्दी इसका काम शुरू होगा। यह एक ऐसा ब्रिज होगा जिस पर चार रेलवे लाइन और 6 हाइवे की लेन होगी, जो कि देश का सबसे बड़ा ब्रिज होगा। हाइवे पर चलने वाले लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो, इसका विशेष ख्याल रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों के साथ ही राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकी ढेर:घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे; सर्व ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों पर फायरिंग की

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकीयों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकीयों के खिलाफ सर्व ऑपरेशन चलाया था। भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि सर्व ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने इसे 'ऑपरेशन पिपल' नाम दिया है। मारे गए आतंकीयों की पहचान या उनके संगठन की जानकारी अभी नहीं मिली है। इससे पहले 5 नवंबर को किश्तवाड़ जिले के छत्र इलाके में मुठभेड़ हुई थी। आतंकीयों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया था।

कुपवाड़ा में मुठभेड़ के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने शनिवार को घाटी की कई जेलों में छापा मारा। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान अगर कुछ भी अवैध बरामद होता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने इसे नियमित जांच का हिस्सा बताया और कहा कि इंटरनल सिक्योरिटी को मजबूत करने और जेल सुविधाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है। ताकि जेलों के अंदर कोई गैरकानूनी गतिविधि न हो।

पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीतामढ़ी में विधान जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं माता जानकी की प्रकट स्थली से संपूर्ण बिहार को प्रणाम करता हूँ। पहले चरण के मतदान ने कमाल कर दिया है।

उन्होंने महागठबंधन पर हमला बोलेते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान से जंगलराज वालों को 65 वोट का झटका लगा है। आपका यह प्यार और उमंग देखकर स्पष्ट लगता है कि इस बार फिर से एनडीए सरकार बनेगी। आपका आशीर्वाद सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने "नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार एनडीए सरकार" का नारा दिया।



उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकसित बिहार बनाने का चुनाव है। यह चुनाव आपके आने वाली पीढ़ी का भविष्य तय करेगा। इसलिए यह चुनाव काफी अहम

है। इसलिए आपलोग पिछले हर मतदान का रिकॉर्ड तोड़ दें। बड़ी तादात में मतदान करें और हमारे उम्मीदवारों को अपना आशीर्वाद दें।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद वाले बिहार के बच्चों के लिए क्या करना चाहते हैं? यह इनके नेताओं के चुनाव प्रचार में साफ दिखता है। आप जंगलराज वालों के गाने और नारे सुन लीजिए, आप कांप जाएंगे। राजद के मंचों पर मासूम बच्चों से कहलवाया जा रहा है कि उन्हें रंगदार बनना है। आप मुझे बताइए बिहार के बच्चे को रंगदार बनना चाहिए या डॉक्टर बनना चाहिए?

क्या हम रंगदार बनाने वालों को जीतने देंगे? बिहार का बच्चा अब रंगदार नहीं, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, जज बनेगा।

'राजद ने बिहार में विकास का माहौल ही खत्म कर दिया'

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे ही बिहार में जंगलराज आया, वैसे ही राज्य में बबादी का दौर शुरू हो गया। राजद ने बिहार में विकास का माहौल ही खत्म कर दिया। राजद और कांग्रेस वाले उद्योगों की एबीसी भी नहीं जानते हैं। वह केवल उद्योगों पर ताले लगाना चाहते हैं। यहीं मिथिला में मीलों और फ्रिक्विड्या बंद हो गईं। 15 साल में कोई भी बड़ा अस्पताल और फेक्ट्री बिहार में नहीं बना। इसलिए जंगलराज वालों के मुंह से विकास की बात सफेद झूठ है। बिहार के लोगों का सरकार से भरोसा उठ गया था। नीतीश कुमार ने इस भरोसे को वापस लाया। भाजपा और एनडीए की सरकार जो कहती और वह कहकर दिखाती है। पीएम मोदी ने कहा कि मिथिला की बहन और बेटियों में अद्भुत सामर्थ्य है। मोदी आपकी कला को दुनिया में पहुंचा रहा है। मैं दुनिया भर के लोगों को मधुबनी पेंटिंग देने का काम कर रहा हूँ। यह सब मैं इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि मुझे बिहार पर गर्व है। मुझे बिहार की बेटियों की ताकत पर गर्व है। मैं वाहता हूँ कि आपकी कला और आपका कोशल दुनिया भर में पहुंचे। पीएम मोदी ने मछली पालन के क्षेत्र में बिहार ने कमाल कर दिया है।

मैं बिहार में जंगलराज वालों की जगह नहीं हूँ। पीएम मोदी ने कहा कि राजद के लोग बिहार के बच्चों को कट्टा और

दोनाली दे रहे हैं। खुद के बच्चों को मंत्री बनाकर चाहते हैं। सारे सचने केवल अपने बच्चों के लिए देखते हैं।

सम्पादकीय

बिहार में वोटिंग बढ़ी



बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं ने जबरदस्त जोश दिखाया। 60.13% मतदान लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। मतदान में जनता की भागीदारी अधिक होने का मतलब यह है कि लोकतंत्र जीवंत है। इसका अर्थ यह भी है कि लोग राजनीति से उदासीन नहीं हैं। डेमोक्रेसी में ऐसा ही होना भी चाहिए। पहले चरण में 121 सीटों के लिए वोटिंग हुई है। महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, सम्राट चौधरी संभेत कई बड़े नामों की किस्मत दाव पर लगी है। इस चरण में।

गुरुवार की वोटिंग अभिनेता से नेता बनने का सपना देख रहे खेसारी लाल यादव और मैथिली ठाकुर जैसे उम्मीदवारों की जीत-हार तय करेगी, तो यह लड़ाई अनंत सिंह जैसे बाहुबलियों की भी है। बिहार में दो दशकों से सत्तासीन नीतीश कुमार या उनकी जगह कोई और - हाल के चुनावों में यह सवाल इतनी मजबूती के साथ कभी नहीं पूछा गया था। जनता जो निर्णय लेगी, वह राज्य की सामाजिक-राजनीतिक दिशा तय करेगा। सकारात्मक बात यह है कि बिहार के लोगों ने इस बात को समझा और 2020 की तुलना में 8.3% ज्यादा वोटिंग की। आमतौर पर ज्यादा मतदान को बदलाव का संकेत माना जाता है। हालांकि बिहार के केस में इस आंकड़े से इतना साफ निष्कर्ष निकालना संभव नहीं। यहां कई फैक्टर हैं। हां, इतना जरूर है कि पिछला विधानसभा चुनाव कोविड की छाया के बीच हुआ था, तो वोटिंग पर उसका असर पड़ा हो सकता है। विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वोटिंग के एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नए आरोप लगाए। फिर रफ़का मुद्दा रहा, जिसकी फाइनल लिस्ट में ईटेंसिव रिवीजन के पहले के मुकाबले करीब 47 लाख कम वोटर हैं। इसके बावजूद जनता ने पोलिंग बूथों तक पहुंच कर संदेश दिया कि उसे चुनावी प्रक्रिया और वोट की ताकत पर पूरा भरोसा है। पिछले विवादों को देखते हुए चुनाव आयोग ने इस बार रियल टाइम डेटा उपलब्ध कराने की तैयारी की है, बाद में वोटिंग पर्सेंटज पर अंगुली न उठे। यह पहल इस मायने में अच्छी है कि चुनावी प्रक्रिया जितनी पारदर्शी, सरल और तेज हो, उतना ही बेहतर। कुछ जगहों से विवाद की भी खबरें आईं, लेकिन उनके बीच भी लोगों का मताधिकार का इस्तेमाल करना सुखद है।

बेटियाँ ऑन द पिच: भारत की बदलती क्रिकेट गाथा

पवन शुक्ला

भारतीय महिला क्रिकेट की यह सफलता किसी एक मैच या एक पीढ़ी की नहीं, बल्कि तीन दशकों के संघर्ष और समर्पण की कहानी है। झूलन गोस्वामी की रफ़्तार, मिताली राज का संयम, स्मृति मंधाना का आत्मविश्वास और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी — इन सबने मिलकर वह मंच तैयार किया जिस पर आज की टीम ने विजय पताका फहराई। वो पल कुछ अलग था — हवा में उम्मीद थी और आसमान किसी नए इतिहास का साक्षी बन रहा था। हर चौके पर गुंजाता उल्लास, हर विकेट पर उमरता गर्व — यह सिर्फ खेल नहीं, बदलाव की आहट थी। भारत की बेटियाँ मैदान पर थीं और देश की आँखों में एक नया आत्मविश्वास चमक रहा था। मुंबई के DY Patil स्टेडियम में जब भारतीय महिला टीम ने विश्वकप ट्रॉफी उठाई, तो लगा — यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, उस सोच की थी जिसने बेटियों को सीमाओं से आगे उड़ना सिखाया।

ICC Women's Cricket World Cup 2025 के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर इतिहास रचा। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ब्रांडकार्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, मैच के दौरान लाइव व्यूअरशिप 190 मिलियन से अधिक रही — जो अब तक किसी भी महिला वर्ल्डकप फाइनल की सबसे ऊँची संख्या है। टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों को 60 मिलियन से अधिक दर्शकों ने देखा — यह 2022 संस्करण से पाँच गुना वृद्धि थी। कुल 7 बिलियन मिट्टरस का वॉच-टाइम दर्ज किया गया — जो पिछले रिकॉर्ड से 12 गुना अधिक था। विज्ञापन दरों में 40% की वृद्धि ने साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट अब केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत क्षेत्र है। यह आँकड़े केवल सफलता के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव के संकेत हैं। भारत में खेल, विशेषकर क्रिकेट, अब लड़कियों के लिए भी सुरक्षित और सम्मानजनक करियर विकल्प बन चुका है। भारतीय महिला क्रिकेट की यह सफलता किसी एक मैच या एक पीढ़ी की नहीं, बल्कि तीन दशकों के संघर्ष और समर्पण की कहानी है।

एक और सरकार का निर्माण

संतोष उत्सुक

इनके सौ में से इक्यावन प्रतिशत आ जाएं तो सरकार बन जाती है। मंत्री अपने, ठेकेदार अपने, अप्सर अपने। सब कुछ अपना ही अपना, दूसरों के लिए सपना, बहुत बेइन्साफी है। सरकारों में ऐसे लोग शामिल होते हैं जिनपर बलात्कार, अपहरण व हत्या जैसे सगीन मामले लटक रहे होते हैं। सख्त कानून के अनेक पेंच खुले होते हैं तभी तो गिरफ्त इनसे दूर भागती है। चंद लोग करोड़ों लोगों को अपनी पसंद के फैसलों की जेल में रखते हैं। ये लोग आम तौर पर जाति, संप्रदाय, धर्म, बल, धन और मीठी बातों के दम पर जीतते हैं लेकिन लाखों का कर्ज लेकर डिग्री हासिल करने वालों को नौकरी नहीं मिलती। इनकी तनख्वाह भी मनमाजी और पेंशन पर आयकर भी नहीं लगता। दूसरे पेंशनर्स की कमाई एक नंबर की होती है तो भी कर वसूला जाता है। ताकत का रास्ता निरंकुशता की ओर जाता है। सब के लिए मतदान जरूरी हो, जाति खत्म कर हम सिर्फ भारतीय रह जाएं, क्रमांक के आधार पर पहचाने जाने लेंगे, तब सरकार बने। आरक्षण खत्म हो तो समानता और एकता स्थापित हो। उनका भाषण खत्म हुए ज्यादा देर नहीं हुई थी, खबर मिली उनके समर्थकों ने ही उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया। टूटी टांग और सिर पर ढाई दर्जन पट्टियाँ बांधनी पड़ी।



झूलन गोस्वामी की रफ़्तार, मिताली राज का संयम, स्मृति मंधाना का आत्मविश्वास और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी — इन सबने मिलकर वह मंच तैयार किया जिस पर आज की टीम ने विजय पताका फहराई। मिताली राज ने कभी कहा था — 'हम सिर्फ टीम नहीं, आने वाली पीढ़ी के लिए रास्ता बना रही हैं।' यह वाक्य आज साकार हो चुका है। हर महिला खिलाड़ी के पीछे एक परिवार की अनकही कहानी है। कहीं पिता ने जमीन गिरवी रखकर बैट खरीदा, कहीं माँ ने अपने गहने बेचकर बेटी को कोचिंग भेजा। किसी छोटे शहर की बेटी के लिए सुबह चार बजे उठकर मैदान पहुँचना आसान नहीं था, लेकिन परिवारों ने इस यात्रा को संभव बनाया। आज की भारतीय टीम में हर चेहरा केवल व्यक्तिगत प्रतिभा नहीं, परिवारिक संघर्ष का प्रतीक है। हरमनप्रीत कौर की माँ ने कहा था — 'जब वो खेलती है, हम सब जीतते हैं।' यह वाक्य आज भारत के हर घर की भावना बन चुका है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की नीतियों ने इस परिवर्तन को ठोस रूप दिया। 2018 के बाद से महिला टीम को पुरुष टीम के समान सुविधाएँ, कोचिंग स्टाफ और फिटनेस प्रोटोकॉल मिले। 2022 में शुरू हुई महिला प्रीमियर लीग ने न केवल नई प्रतिभाओं को अवसर दिया, बल्कि आर्थिक स्थिरता भी प्रदान की। BCCI ने महिला खिलाड़ियों के लिए समान मैच फीस नीति लागू कर खेल में समानता की मिसाल पेश की। महिला खिलाड़ियों के लिए अब अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और उच्च स्तरीय विश्लेषण जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं — जो पहले केवल पुरुष टीम तक सीमित



अप्सर अपने। सब कुछ अपना ही अपना, दूसरों के लिए सपना, बहुत बेइन्साफी है। सरकारों में ऐसे लोग शामिल होते हैं जिनपर बलात्कार, अपहरण व हत्या जैसे सगीन मामले लटक रहे होते हैं। सख्त कानून के अनेक पेंच खुले होते हैं तभी तो गिरफ्त इनसे दूर भागती है। चंद लोग करोड़ों लोगों को अपनी पसंद के फैसलों की जेल में रखते हैं। ये लोग आम तौर पर जाति, संप्रदाय, धर्म, बल, धन और मीठी बातों के दम पर जीतते हैं लेकिन लाखों का कर्ज लेकर डिग्री हासिल करने वालों को नौकरी नहीं मिलती। इनकी तनख्वाह भी मनमाजी और पेंशन पर आयकर भी नहीं लगता। दूसरे पेंशनर्स की कमाई एक नंबर की होती है तो भी कर वसूला जाता है। ताकत का रास्ता निरंकुशता की ओर जाता है। सब के लिए मतदान जरूरी हो, जाति खत्म कर हम सिर्फ भारतीय रह जाएं, क्रमांक के आधार पर पहचाने जाने लेंगे, तब सरकार बने। आरक्षण खत्म हो तो समानता और एकता स्थापित हो। उनका भाषण खत्म हुए ज्यादा देर नहीं हुई थी, खबर मिली उनके समर्थकों ने ही उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया। टूटी टांग और सिर पर ढाई दर्जन पट्टियाँ बांधनी पड़ी।

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियाँ एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृद्य विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएँ, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ सफलता का अर्थ केवल रैंक, इंजीनियर, आईएसएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को प्रदर्शन की प्रतियोगिता बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत शिक्षा के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया। आज की शिक्षा बच्चों को केवल जानकार बना रही है, ज्ञानी नहीं। विद्यालयों में रटुमार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा प्रतियोगिता का उद्योग पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः

थीं। यह बदलाव खेल को केवल प्रदर्शन का नहीं, पेशेवर पहचान का माध्यम बना रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट की यह जीत सिर्फ ट्रॉफी तक सीमित नहीं; यह समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन की कहानी है। जहाँ कभी बेटियों से कहा जाता था 'खेल शौक है, पेशा नहीं', अब वही परिवार उन्हें मैदान तक पहुँचाने में सबसे आगे हैं। हर शाट, हर विकेट अब यह घोषणा बन गया है कि प्रतिभा का कोई जेंडर नहीं होता — और संघर्ष करने वाली हर बेटी, भारत की नई पहचान है। अब खेल केवल मनोरंजन नहीं, अत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का मंच बन चुका है। हर गेंद के साथ यह युग कह रहा है — अब खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह सोच की उड़ान बन चुका है। फाइनल में शैफाली वर्मा ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली और वो विकेट लेकर मैच पलट दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा — 'भगवान ने मुझे इसी पल के लिए भेजा था।' उनकी आँखों में आत्मविश्वास नहीं, क्रांति थी। हरमनप्रीत कौर ने उनके बारे में कहा — 'जब सब दबाव में थे, शैफाली ने खेल में यकीन दिखाया। वहीं से हम जीत गए।' उन शब्दों में सिर्फ खेल की बात नहीं थी — उनमें वह जज्बा था जिसने हर लड़की को यह विश्वास दिलाया कि मैदान पर कोई सीमा नहीं होती। हर शाट, हर थ्रो, हर रन के साथ ये वह साबित कर रही थीं कि अब खेल उनके हाथों में ही नहीं, उनके सोच और साहस में भी बसता है। वो पल मानो यह कह रहा था — अब बेटियाँ सिर्फ खेल नहीं रही हैं, वे अपने वाले युग की दिशा तय कर रही हैं। आज भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, एक क्रांति बन चुका है। हर गली में बल्ला थामे कोई बेटी अब सपने नहीं देखती — उन्हें साकार करती है। हर चौके की साथ उम्मीद उड़ती है, हर छक्के के साथ सोचों की सीमाएँ टूटती हैं। अब मैदान पर सिर्फ गेंद नहीं चलती — इतिहास लिखा जाता है। और इन बेटियों के हर शाट में गुंजात है एक संदेश — भारत अब बेटियों के साथ नहीं, बेटियों के बल पर जीत रहा है।



डाक्टर ईलाज करते हुए घबरा रहे थे। बीमार पत्नी पास बैठी हुए उन्हें लगातार बुरा और बुरा कह रही थी। बेहद सकारात्मक बात यह रही कि उन्होंने अभी सिर्फ अभ्यास करने के लिए कुछ लोगों के सामने पहली बार मुह खोला था। उनका चुनाव में खड़ा होना, जीतना और सरकार में शामिल होना चार सौ बीस मील दूर था..... इतना लंबा सपना उनके शरीर से सहा नहीं गया, हड़बड़ाकर उठ गए और सोचने लगे कि दिमाग क्या क्या गलत बातें सोच रहा था। कैसे कैसे ख्वाब दिखा रहा था। सरकार भी कहीं ऐसे बनती है। अभी उनकी पत्नी जोर से खराटे ले रही थी। उन्हें याद आया आज से नया सप्ताह शुरू हो रहा है, सुबह की चाय बनाने की ड्यूटी उनकी है। उनकी घरेलू सरकार सुबह सुबह गिरने से बच जाए इसलिए उन्होंने उठने में देर नहीं की, अपना चेहरा धोकर, चाय बनाने की तैयारी में जुट गए।



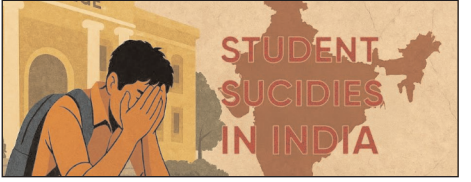
जीवन से हार जाते हैं। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में होलिस्टिक लर्निंग, जॉयफुल एजुकेशन, रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाने हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्यूरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे। परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा।

बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि कच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके। भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसिलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि तनाव से कैसे निपटें, असफलता को कैसे स्वीकारेंह या भावनाओं को कैसे व्यक्त करें। जिन्हें हम टॉपर कहते

लोक कथा

प्लेग

एक बार एशिया में भयंकर प्लेग फैला। करोड़ों लोग उसकी भेंट चढ़ गए। भारत के एक धर्मेति राजा ने अपने राज्य के सभी वृद्ध और बुद्धिमान पुरोहितों को बुलाया और उन्हें इस महामारी से बचने का उपाय पूछा। पुरोहितों की सभा में उसने कहा, प्लेग मेरे राज्य की सीमाओं के निकट आ गया है। मुझे बताओ, अपनी प्रजा को बचाने के लिए मैं क्या करूँ? पुरोहितों ने काफी विचार-विमर्श किया। फिर सबकी ओर से एक पुरोहित खड़ा हुआ, राजन, इस विपत्ति का कारण भगवान शिव है। उसे प्रन्न करने के लिए हमें पूरे राज्य में शिव की पूजा और प्रार्थना करनी होगी। राजा ने अंदर आदेश दिया कि शिव के हर मंदिर और हर घर में शिव की पूजा और उससे प्रार्थना की जाए। इसका साथ खरंच राज्य के अधिक से दिया जाएगा। पुरोहितों के पूजा प्रारंभ करने के एक सप्ताह बाद सबसे वरिष्ठ पुरोहित को शिव ने दर्शन दिए और कहा, तुम क्या चाहते हो? पुरोहित के रोंगटे खड़े हो गए। महादेव को दंडवत करके उसने हकलाते हुए कहा, हे महादेव! सृष्टि के पालनहार! आपसे कुछ भी छुपा हुआ नहीं है। हमारे राज्य की ओर बढ़ते प्लेग से हमें बचाओ। भोले शंकर ने कहा, तथात्तु! तुम्हारी पूजा से मैं प्रसन्न हूँ। मेरा सेवक नंदी प्रत्येक अनिष्ट से तुम्हारे राज्य को रक्षा करेगा। इतना कहकर शिव अस्थायी हो गए। अगले दिन सवरे राजा को यह शुभ समाचार दिया गया। उसने प्रत्येक पुरोहित को पच्चीस दुधारू गायें और कीड़ियों से भरे पचास थैले देकर विदा किया। प्लेग को राज्य की सीमा में घुसने से रोकने के लिए नंदी रात-दिन चौकसी करने लगा। एक रात वह सीमा पर शयन कर रहा था कि क्रूर प्लेग संहैद प्रकट हुआ और उसे धमकी देने लगा कि वह उसे राज्य में प्रवेश करने दे। नंदी झिन्नल को ऊपर उठाकर घास, दूर हो जा मेरी आँखों के सामने से! नीच, पापी, एक पग भी आगे रखा तो यमलोक पहुँचा दूँगा। विकराल प्लेग यों आसानी से हार मानने वाला नहीं था। दोनों में विकट युद्ध छिड़ गया। युद्ध कई दिन चलता रहा। उनके आघातों से अनेक पहाड़ और जंगी पेड़ धराशायी हो गए। अंततः युद्धविराम हुआ। यह संधि हुई कि प्लेग सिर्फ एक दिन राजधानी में रकेगा और एक से अधिक बलि नहीं लेगा। पर अगले दिन शाम को नगर में हाय-त्राय मच गई। खबर थी कि एक या दो नर्त, बल्कि पूरे सौ आदमी प्लेग से मर गए। राजा ने तुरंत पुरोहितों को बुलवाया और सफाई माँगी। पुरोहित भागे-भागें नंदी के पास गए। नंदी क्रोध से पागल हो गया और प्लेग की तलाश में दौड़ा। उसे प्लेग एक खंडहर के धूल से अटे फर्श पर पड़ा मिला। नंदी ने उसको पर्वन से बचा और दहाड़ा, दुष्ट, तूने वचन तोड़ा है। तूने एक नहीं, कई लोगों की बलि ली है। तुझे इसका परिणाम भुगतना होगा। नंदी की पकड़ में होने के बावजूद प्लेग ठठारक हँसा, नहीं भई, मैंने वचन नहीं तोड़ा। बेकार गुस्सा मत करो। मैंने तो वचन के अनुसार एक ही आदमी की बलि ली। बाकी नित्यान्वये तो डर से मर गए। इसमें मेरा क्या दोष है? इन लोगों को मामूली बुखार था और ग्रथियों में कुछ सूजन थी। इसे इन्होंने मेरी आहट समझा और डर से मर गए। इसमें मेरा कोई दोष नहीं। अब नंदी क्या कहता! उसने प्लेग को छोड़ दिया।



हैं, वे अक्सर भीतर से टूट हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएँ व शिक्षक उस वास्तव को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कोशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियाँ क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निरसिंह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता।वह प्रश्न अब उलटने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण परजोय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-ह्रस्वच्यो शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।ह्र समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तिगत महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता वहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निरसिंह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

बाल कहानी

तीन मछलियाँ

एक नदी के किनारे उसी नदी से जुड़ा एक बड़ा जलाशय था। जलाशय में पानी गहरा होता है, इसलिए उसमें कई तथा मछलियाँ का प्रिय भोजन जलीय सूक्ष्म पौधे उगते हैं। ऐसे स्थान मछलियों को बहुत रास आते हैं। उस जलाशय में भी नदी से बहुत-सी मछलियाँ आकर रहती थी। अंडे देने के लिए तो सभी मछलियाँ उस जलाशय में आती थीं। वह जलाशय लम्बी घास व झाड़ियों द्वारा घिरा होने के कारण आसानी से नजर नहीं आता था। उसी में तीन मछलियाँ का झुंड रहता था। उनके स्वभाव भिन्न थे। अन्ना संकट आने के लक्षण मिलते ही संकट टालने का उपाय करने में विश्वास रखती थीं। प्रत्यु कहती थी कि संकट आने पर ही उससे बचने का यत्न करो। यही का सोचना था कि संकट को टालने या उससे बचने की बात बेकार है करने करने से कुछ नहीं होता जो किस्मत में लिखा है, वह होकर जाता। एक दिन शाम को मछुआरे नदी में मछलियाँ पकड़कर घर जा रहे थे। बहुत कम मछलियाँ उनके जालों में फंसी थी। अतः उनके चेहरे उदास थे। तभी उन्हें झाड़ियों के ऊपर मछलीखोर पक्षियों का झुंड जाता दिखाई दिया। सभी कोचों में मछलियाँ दबी थी। वे चौंके। एक ने अनुमान लगाया दोस्तों! लगता हैं झाड़ियों के पीछे नदी से जुड़ा जलाशय हैं, जहाँ इतनी सारी मछलियाँ पल रही हैं। मछुआरे पुलकित होकर झाड़ियों में से होकर जलाशय के तट पर आ निकले और ललचाई नदी से मछलियों को देखने लगे। एक मछुआरा बोला अहा! इस जलाशय में तो मछलियाँ भरी पड़ी हैं। आज तक हमें इसका पता ही नहीं लगा। वहाँ हमें ढेर सारी मछलियाँ मिलेंगी। दूसरा बोला। तीसरे ने कहा आज तो शाम घिरने वाली है। कल सुबह ही आकर वहाँ जाल डालेंगे। इस प्रकार मछुआरे दूसरे दिन का कार्यक्रम तय करके लगे। तीनों मछलियों ने मछुआरे की बात सुन ली थी। अन्ना मछली ने कहा साधियों! तुमने मछुआरे की बात सुन ली। अब हमारा यहाँ रहना खतरे से खाली नहीं है। खतरे की सूचना हमें मिल गई हैं। समन रहते अपनी जान बचाने का उपाय करना चाहिए। मैं तो अभी ही इस जलाशय को छोड़कर नहर के रास्ते नदी में जा रही हूँ। उसके बाद मछुआरे सुबह आए, जाल फेंके, मेरी बला से। तब तक मैं तो बहुत दूर अटछलियाँ कर रही हो-उन्गी। प्रत्यु मछली बोली तुम्हें जाना हैं तो जाओ, मैं तो नहीं आ रही। अभी खतरा आया कहाँ है। जो इतना घबराते की खतरत है हो सकता है संकट आए ही न। उन मछुआरों का यहाँ आने का कार्यक्रम रह हो सकता है, हो सकता है रात को उनके जाल चूहे कुतर जाएं, हो सकता है। उनकी बस्ती में आग लग जाए। भूचाल आकर उनके गांव को गूट कर सकता है या रात को मूरलाधार वषा आ सकती हैं और बाढ में उनका गांव वह सकता हैं। इसलिए उनका आना निश्चित नहीं हैं। जब वह आया, तब की तब सोचेंगे। हो सकता हैं मैं उनके जाल में ही न फँसूँ। यही ने अपनी भाग्यवादी बात कही भागने से कुछ नहीं होने का। मछुआरों को आना हैं तो वह आयेगे। हमें जाल में फँसना है तो हम फँसने। किस्मत में मरना ही लिखा है। उनका किया जा सकता हैं? इस प्रकार अन्ना तो उसी समय वहाँ से चली गई। प्रत्यु और यही जलाशय में ही रही। भोर हुई तो मछुआरे अपने जाल को लेकर आए और लगे जलाशय में जाल फेंकने और मछलियाँ पकड़ने पर राज्य ने संकट को आए देखा तो लगी जान बचाने के उपाय सोचने। उसका दिमाग तेजी से काम करने लगा। आस-पास छिपने के लिए कोई खोखली जगह भी नहीं थी। तभी उसे याद आया कि उस जलाशय में काफी दिनों से एक मरे हुए ऊर्दबिलाव की लाश तैरती रही हैं। वह उसके बचाव के काम आ सकती है। जल्दी ही उसे वह लाश मिल गई। लाश सड़ने लगी थी। प्रत्यु लाश के पेट में घुस गई और सड़ती लाश की सड़ांध अपने ऊपर लेपकर बाहर निकली। कुछ ही देर में मछुआरे के जाल में प्रत्यु फंस गई। मछुआरे ने अपना जाल खींचा और मछलियों को किनारे पर जाल से उलट दिया। बाकी मछलियाँ तो तड़पने लगीं, परन्तु प्रत्यु दम साधकर मरी हुई मछली की तरह पड़ी रही। मछुआरों को सड़ांध का भूषका लगा तो मछलियों को देखने लगा। उसने निश्चल पड़ी प्रत्यु को उठाया और सूँचा आक! यह तो कई दिनों की मरी मछली हैं। सड़ चुकी हैं। ऐसे बड़बड़ाकर बुरा-सा मुँह बनाकर उस मछुआरे ने प्रत्यु को जलाशय में फेंक दिया। प्रत्यु अपनी बुद्धि का प्रयोग कर संकट से बच निकलने में सफल हो गई थी। पानी में गिरते ही उसने गोला लगाया और सुरक्षित गहराई में पहुँचकर जान की खैर मनाई। यही भी दूसरे मछुआरे के जाल में फंस गई थी और एक टोकरे में डाल दी गई थी। भाग्य के भरोसे बैठे रहने वाली यही ने उसी टोकरी में अन्य मछलियों की तरह तड़प-तड़पकर प्राण त्याग दिए।

मैनपुरी की जीडीपी बढ़ाने के अधिकारियों को दिए निर्देश

वन ट्रिलियन डॉलर सेल की त्रैमासिक समीक्षा बैठक में की वार्ता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने उ.प्र. की जी.डी.पी. को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने में जनपद की जी.डी.पी. को बढ़ाने के संबंध में जिला ओ.टी.डी., वन ट्रिलियन डॉलर सेल की त्रैमासिक समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शासन की मंशा के अनुसार प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश बनाने हेतु जनपद की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए प्रमुख इंडिकेटरस के आधार पर आच्छादन एवं उत्पादकता पर ध्यान दे, उन्होंने कहा कि जनपद कृषि प्रदान है, इसलिए कृषि सेक्टर के उत्पादन में विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा कि प्राथमिक क्षेत्र खाद्यान्न में गत वर्ष के सापेक्ष बढ़ोतरी हुयी है, गेहूँ, चावल, बाजरा का उत्पादन बढ़ा है जबकि मक्का के उत्पादन में थोड़ी कमी आयी है, दलहन में अरहर, चना, मटर के उत्पादन में वृद्धि हुयी है, मूंग, उर्द की पैदावार घटी है,



दुग्ध, मास, अंडा उत्पादन में काफी वृद्धि हुयी है, औद्योगिक क्षेत्र में भी इकाईयों की संख्या में वृद्धि हुयी है, जो जनपद की जीडीपी वृद्धि के लिए शुभ संकेत हैं। जिलाधिकारी ने जिला ओ.टी.डी. सेल की समीक्षा बैठक में प्राथमिक सेक्ट-कृषि, पशुधन, वानिकी, मत्स्य, द्वितीय सेक्टर-विनिर्माण, विद्युत, गैस तथा निर्माण एवं तृतीय सेक्टर- व्यापार, होटल, परिवहन एवं वित्तीय सेवाएं आदि की क्रमवार सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ आंकडेवार जानकारी लेते हुए

जनपद की वर्तमान जी.डी.पी. में उनकी सहभागिता एवं इसे बढ़ाने हेतु किये जा रहे उपायों, योजनाओ आदि के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुँचाने में जनपद स्तर पर उनके विभाग से सम्बन्धित जितनी भी योजनाएं, कार्य संचालित किये जा रहे है, उनके माध्यम से जनपद की जी.डी.पी. को प्रदेश की जी.डी.पी. में लगभग एक प्रतिशत की सहभागिता सुनिश्चित कराने की

दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

बैठक मे जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अरूण कुमार शुक्ला ने बताया कि वित्तीय वर्ष 23-24 में जनपद का सकल घरेलू उत्पाद रु. 18812.18 करोड़ रहा, जिसमें 0.73 प्रतिशत की वृद्धि हुयी, जिले की आर्थिक वृद्धि दर में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान जनपद का कुल उत्पादन लक्ष्य 29522.14 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 81.27 प्रतिशत प्राप्ति दर्ज की जा चुकी है, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शेष लक्ष्य की समयबद्ध पूर्ति के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुँचाने में जनपद स्तर पर उनके विभाग से सम्बन्धित जितनी भी योजनाएं, कार्य संचालित किये जा रहे है, उनके माध्यम से जनपद की जी.डी.पी. को प्रदेश की जी.डी.पी. में लगभग एक प्रतिशत की सहभागिता सुनिश्चित कराने की

मैनपुरी

बंदूक से खुद को गोली मारकर कर लिया ससुआइट

पुलिस मामले की जांच में लगी, वजह तलाश रही पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। धिरोर थाना क्षेत्र के गांव नगला अंती में शुक्रवार शाम युवक ने बंदूक से खुद को गोली मार ली। सिर में गोली लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



धिरोर थाना क्षेत्र के गांव नगला अंती निवासी 40 वर्षीय धर्मेन्द्र सिंह शुक्रवार शाम बंदूक लेकर घर से बाहर निकले। जब तक कोई कुछ समझ पाता, उन्होंने सिर में गोली मार ली। गंभीर हालत में परिजन मेडिकल कॉलेज सेफर्ड ले जा रहे थे। तभी रास्ते में दम तोड़ दिया। धर्मेन्द्र ने खुदकुशी क्यों की इसकी वजह का पता नहीं लग सका है। शनिवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस आत्महत्या के कारण की जांच में जुटी है।

तहसील में बिजली चोरी रोकने निकली एसडीएम करहल

तहसील के कर्मचारियों के आवासों में पकड़ी बिजली चोरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी। शासन ने हर सरकारी आवास एवं कार्यालय पर स्मार्ट मीटर स्थापित करने के आदेश दिए हैं, लेकिन ज्यादातर इससे दूरी बनाए हुए हैं। निरंतर बढ़े हुए बिल पर स्वतः संज्ञान लेकर एसडीएम करहल सुनिष्ठा सिंह ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। अपनी ही तहसील परिसर में कर्मचारियों के यहां बिजली की चोरी पकड़ी है। ज्ञात हो कि करहल तहसील के मुख्य कनेक्शन से कटिया डालकर आवासों में बिजली जलाई जा रही थी। सीओ करहल, थाना पुलिस और बिजली विभाग की टीम को बुलाकर सभी कटिया उतरवाई हैं। सभी आवास व परिसर में अलग-अलग स्मार्ट मीटर लगाने के निर्देश दिए हैं। करहल तहसील परिसर में ही तहसीलदार के साथ एसडीएम का भी कार्यालय संचालित है। यहां परिसर के लिए 64 किलोवाट का कनेक्शन स्वीकृत है। सामान्यतः अन्य तहसीलों में 30 से 32 हजार रुपये मासिक बिल आता है, लेकिन करहल तहसील का बिल पिछले कुछ माह से 72 से 75 हजार रुपये मासिक आ रहा है।

पर बुलाया- उपखंड अधिकारी विद्युत धर्मेन्द्र सिंह एवं अवर अभियंता वाजिब खान के साथ डिस्कनेक्शन टीम को मौके पर बुलाया।

सीओ अजय सिंह चौहान व थाना पुलिस की उपस्थिति में उन्होंने कनेक्शन की जांच कराई। स्थिति देखकर स्वयं चौंक गईं। तहसील परिसर में बने कर्मचारियों के आवासों में मुख्य कनेक्शन से कटिया डालकर बिजली की चोरी की जा रही थी। उन्होंने सभी कटिया जमा कराने के बाद तत्काल स्मार्ट मीटर स्थापित कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। सभी कर्मचारियों को चेतावनी नोटिस जारी किए हैं।

डिशाकनेक्शन टीम को मौके

20 किलोवाट से ज्यादा था अतिरिक्त लोड

उपखंड अधिकारी विद्युत का कहना है कि स्वीकृत भार के अतिरिक्त लोड संचालित भला है। 10 से ज्यादा घरों में कटिया मिली है। सभी में दो-दो किलोवाट का भार भी मान लिया जाए तो इस अनुसार 20 किलोवाट का लोड अतिरिक्त चल रहा था। सभी के यहां स्मार्ट मीटर लगेंगे।

क्या बोलीं एसडीएम करहल

मनमानी नहीं चलने दी जाएगी। तहसील परिसर में बढ़े हुए बिजली के बिल को देखते हुए यह कार्रवाई कराई गई है। सभी कर्मचारियों को चेतावनी नोटिस जारी किए गए हैं। हर आवास पर अलग मीटर लगावा जाएंगे।

- सुनिष्ठा सिंह, एसडीएम करहल।

छोटी खबरें

अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर, ढहाए अवैध निर्माण

तहसीलदार ने प्रयागराज हाईकोर्ट के अनुपालन में कराई कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर पंचायत में अतिक्रमण करने वालों पर प्रशासन ने कार्रवाई की है।बुलडोजर चलाकर कई लोगों के अवैध निर्माण गिरा दिए गए। कार्रवाई से कब्जाधारकों में हड़कंप मचा रहा। शुक्रवार सांय तहसीलदार घासीराम पुलिस बल के साथ नगर पंचायत के गांव नगला मंगद पहुंचे। उन्होंने वहां रामपाल पुत्र अजमेर सिंह, दयाराम पुत्र छद्दामी, राजकुमार पुत्र बाजीलाल, सुरेन्द्र सिंह पुत्र विश्राम सिंह व रमेश, प्रमोद, सुरेश पुत्राण राजबहादुर द्वारा नगर पंचायत के रास्तों पर किये पक्के निर्माणों को बुलडोजर से गिरवा दिया।

प्रशासन की कार्रवाई से कब्जाधारकों में हड़कंप मच गया। तहसीलदार घासीराम ने बताया कि अवैध कब्जे की शिकायत सुनील कुमार पुत्र अतर सिंह निवासी नगला मंगद ने की थी। तत्कालीन लेखपाल की पैमाइश के बाद आख्या पर उनके कोर्ट द्वारा धारा 67 की कार्रवाई की गई थी। इसी मामले में एक रिट उच्च न्यायालय प्रयागराज में लंबित है। न्यायालय ने धारा 67 के अंतर्गत परित आदेश का अनुपालन कराते हुये आख्या दाखिल करने का आदेश दिया है। इसके अनुपालन में उनकी अध्यक्षता में राजस्व टीम ने अवैध कब्जे हटवाए हैं। कब्जा करने वालों पर जुमाने की कार्रवाई भी की जाएगी। कब्जा हटवाने के दौरान नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र सिंह, कानुनगो भानवीर सिंह, अरविंद यादव, लेखपाल वैभव सत्यार्थी, वीरेंद्र सिंह सहित नगर पंचायत के कर्मचारी मौजूद रहे।

अब 15 तक दें सकेंगे विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का फ्रीडबैक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने हेतु विकसित उत्तर प्रदेश/2047 की योजना, विजन डायसुमेंट तैयार किया जा रहा है, इस अभियान का उद्देश्य आमजन में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त जन-आकांक्षाओं एवं सुझावों को समाहित कर राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु एक ठोस एवं सर्वसमावेशी विजन तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत जनपदवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, नागरिकों की उत्साहजनक भागीदारी को देखते हुए समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश/2047 पोर्टल पर सुझाव, फीडबैक हेतु अवधि 15 नवम्बर 2025 तक बढ़ा दी गयी है, आमजन कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, नगर विकास, ग्रामीण विकास, उद्योग, पर्यावरण आदि क्षेत्रों से संबंधित अपने सुझाव ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने जनपद के समस्त नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, जन प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, युवाओं एवं उद्यमियों से अपील की है कि वह इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के निर्माण में अपने मूल्यवान सुझाव देकर सहयोग करें, यह अभियान प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा निर्धारित करने का एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मैनपुरी को जल्द मिलेगी नई आवासीय परियोजना की सौगात

285 एकड़ एरिया में बसेगा नया शहर, परियोजना पर जल्द शुरू हो सकता है काम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद के लोगों के लिए एक नई आवासीय परियोजना की सौगात जल्द मिल सकती है। प्रस्तावित सिंहपुर नहर पुल के पास सदर तहसील क्षेत्र में आवास-विकास परियोजना पार्ट-2 की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। लखनऊ स्तर से इस पर प्रयास चल रहे हैं। आवास विकास परिषद आगरा की टीम जमीन की तलाश के लिए भौतिक निरीक्षण कर चुकी है। जनपद की आबादी में तेजी से विस्तार हो रहा है। रिहायशी इलाकों की मांग बढ़ रही है। शहर में जमीनों के दामों में तेजी से वृद्धि हो रही है। लोगों की जरूरतों को देखते हुए आवास विकास परियोजना पार्ट-2 को लांच करने की तैयारी की जा रही



है। इसके लिए सिंहपुर नहर पुल के निकट सदर तहसील क्षेत्र की खाली पड़ी करीब 285 एकड़ जमीन पर नया शहर बसाने की योजना है।

ताकि परियोजना के तहत कई ब्लाक में आवास विकास को बसाया जा सके।

विकास परिषद के अधिकारी जमीन का निरीक्षण भी कर चुके- पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह एवं

आवास विकास परिषद् के अधिकारियों के बीच इसे लेकर फाइनल टच भी दिया जा चुका है। साथ ही आवास विकास परिषद् के अधिकारी जमीन का स्थलीय निरीक्षण भी कर चुके हैं। इसका प्रस्ताव भी आगरा से स्वीकृत होकर शासन को भेजा जा चुका है। सबकुछ ठीक रहा तो इस वर्ष के अंत तक यह परियोजना धरातल पर उतर सकती है।

आवास विकास में करोड़ों रुपये है एक-एक संपत्ति की कीमत

शहर के बीचोबीच पूर्व में बसाई गई आवास विकास कालोनी में वर्तमान में लोगों को जमीन उपलब्ध नहीं है। कुछ आवास और खाली भूखंड यदि यहां बिक्री के लिए उपलब्ध हैं भी, तो उनकी कीमती करोड़ों रुपये हैं। ऐसे में लोगों के लिए आवास विकास परियोजना पार्ट-2 काफी सहूलियत भरी हो सकती है।

एक नए शहर का हो जाएगा निर्माण

शहर को जाम की समस्या से जल्द ही निजात दिलाने के उद्देश्य से दक्षिणी बाईपास का निर्माण प्रस्तावित है। इस बाईपास की लंबाई 20 किमी है। निर्माण पर लागत 5950 लाख रुपये है। इससे एक तरफ जहां शहर को जाम से निजात मिलेगी तो वहीं शहर विस्तार और रोजगार के भी नए द्वाा बाईपास निर्माण से खुलेगा। इस बाईपास के जरिए आगरा और इटावा का संपर्क और दुरुस्त हो जाएगा। अगर, इस बाईपास के किनारे पर आवास विकास परियोजना पार्ट-2 लांच होती है तो यहां लोगों की बसावट तेजी से हो जाएगी। इस प्रकार उस 20 किमी के क्षेत्र में एक नया शहर बस जाएगा।

क्या बोले डीएम मैनपुरी

सिंहपुर नहर पुल के आसपास एक आवासीय परियोजना विकसित करने की लखनऊ स्तर पर चर्चा हुई है। स्थानीय लोगों के लिए यह आवासीय परियोजना रिहायश के लिहाज से बेहद सहूलियत भरी होगी। इससे शहर का विकास होगा। - अंजनी कुमार सिंह, डीएम मैनपुरी।

स्काउट गाइड हमें जीवन में जीने की कला सिखाती

स्काउट गाइड शिविर में बताए झंडा फहराने के नियम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुसमरा। नगर के मां सरस्वती ज्ञान मन्दिर इंटर कालेज में चल रही तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर के दूसरे दिन प्रशिक्षक मोहम्मद शमीम ने स्काउट गाइड शिविर में झंडा फहराने के नियम, झंडा गांठ, तम्बू लगाने के नियम, आत्म सुरक्षा के नियम आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय सर्वोदय इंटर कालेज पुरैया के प्रशिक्षक ब्रजपाल सिंह यादव ने बच्चों को बताया कि स्काउट गाइड हम सबको जीवन में जीने की कला सिखाती है।

इसके साथ ही स्काउट करने वाला प्रत्येक व्यक्ति अनुशासित होता है। इसके बाद प्रशिक्षक नेहा वर्मा ने प्रतिभागियों को सोलह टोलियों में विभाजित किया। सभी टोली नायक



ने अपने अपने तम्बू लगाए। इस अवसर पर प्रबंधक अरुण आचार्य, डारेक्टर सौरभ यादव, प्रधानाचार्य कमलेश यादव, संजीव श्रीवास्तव, राजीव त्रिपाठी, अलकेश यादव, अजय चतुर्वेदी, जितेंद्र यादव,

कुलदीप यादव, काजल सैनी, ज्योति पाल, दिव्या पाल, सोनी तिवारी, आकांक्षा शाक्य, पुष्पेंद्र सिसौदिया, स्वामीशरण, सोनम यादव, दीक्षा यादव सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

ट्रेक्टर से खेत जोतते नजर आए एसपी ग्रामीण



वर्दी में नहीं कुर्ते में नजर आए एसपी, वीडियो वायरल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। एसपी ग्रामीण राहुल मिठास वर्दी में नहीं, बल्कि कुर्ते में नजर आए। उन्होंने ट्रैक्टर की स्टेयरिंग संभाली और अपने परिसर में आलू की बुवाई की। इसका वीडियो भी बनाया गया, जो वायरल हो रहा है।

एसपी ग्रामीण राहुल मिठास रोजना जहां समय पर इ्यूटी पर

आकर जन शिकायतें सुनते हैं, वहीं मिशन शक्ति अभियान के नोडल होने के साथ ही कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हैं। व्यस्तता भरी दिनचर्या में जब कुछ फुर्सत के पल मिलते हैं तो अधिकारी घर पर किसान के रूप में नजर आते हैं। आवासीय परिसर में खेती योग्य भूमि का सदुपयोग करते हुए अपनी खेती करने की हसरत भी पूरी कर रहे हैं। शनिवार को ट्रैक्टर से खेत की जुताई करने के बाद आलू की बुवाई करते नजर आए।

गणना पत्रकों को घर घर पहुंचा रहे हैं बीएलओ

एसडीएम खुद कर रहे हैं निगरानी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, बीईओ भी कर रहे हैं मॉनिटरिंग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी गोपाल शर्मा द्वारा बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस समय तहसील क्षेत्र में बीएलओ द्वारा घर घर गणना पत्रकों को पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान एसडीएम गोपाल शर्मा ने कहा कि सभी बीएलओ गणना पत्रकों को 2 प्रतियों में मतदाता को वितरित करें तथा वितरण के पश्चात बीएलओ एप पर विवरित प्रतियों का भी अंकन करें। अतः सावधानी से भरकर एप पर अपलोड करें, क्योंकि प्रत्येक प्रपत्र का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। किसी भी प्रपत्र के अनुपलब्ध होने पर बीएलओ को उसका कारण बताना होगा, एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिहीन, पारदर्शी

मतदाता केवल गणना प्रपत्र भरकर बीएमओ को देंगे

मतदाता केवल गणना प्रपत्र भरकर अपने बीएलओ को देंगे तथा बीएलओ प्रत्येक मतदाता से एक प्रति प्राप्त कर दूसरी प्रति पर पावती मतदाता को देंगे, उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं की जानकारी डेटाबेस से भिन्न या अधूरी मिलेगी, उन्हें नोटिस जारी कर जन्मतिथि तथा वांछित दस्तावेज मांगे जाएंगे। प्रत्येक बीएलओ मतदाता से वार्ता के दौरान अपना व्यवहार सौम्य व मुदुल रखें तथा मतदाता को विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में समझकर उन्हें इसका महत्व भी बताएं।

लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

एसडीएम ने बीएलओ से यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति यदि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है तब वह संबंधित बीएलओ को फॉर्म 6 के साथ घोषणा पत्र भरकर दे सकता है। मतदाता स्वयं अपना नाम विधानसभा क्षेत्र से हटवाना चाहता है, तो वह निर्धारित फॉर्म भरकर दे सकता है। वहीं तहसील क्षेत्र के बीएलओ गणना पत्रकों को घर घर वितरण अभियान चलाना शुरू कर दिए है, एसडीएम का कहना है कि इस कार्य में लापरवाही करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी,बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्य को एसडीएम के साथ साथ तहसीलदार घासीराम,खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे और नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र सिंह द्वारा भी मॉनिटरिंग की जा रही है।

और अद्यतन बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जिनके पूर्वजों के नाम दर्ज हैं, उनसे किसी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी, वहीं, जिनके नाम उस सूची में नहीं

हैं, उन्हें उम्र और पहचान संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे; परन्तु निर्दोश 4 नवंबर से 4 दिसंबर की गणना अवधि में किसी भी मतदाता से कोई भी साक्ष्य गणना प्रपत्र के साथ नहीं लिया जाएगा।

नर्सिंग कर्मियों को डिप्टी सीएम का तोहफा, अब गृह जिले मे होगी तैनाती; प्रमोशन के बाद भी बदलाव नहीं

लखनऊ

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को नर्सिंग कर्मियों को कई सौगातें दीं। नर्सिंग कर्मियों की प्रोन्नति और उन्हें गृह जिले में तैनाती का भी ऐलान किया। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डा. रतनपाल सिंह सुमन को तत्काल इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। कहा कि खाली पदों को जल्द से जल्द भरने से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी और काम का बोझ कम होगा।

लखनऊ के गांधी सभागार में आयोजित राजकीय नर्सिंग संघ के राज्य स्तरीय अधिेशन का उद्घाटन करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग की तरह ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की नर्सों को भी उनके गृह जिले में तैनाती दी जाएगी। इससे नर्सिंग स्टफ को काम करने में आसानी होगी। काम की गुणवत्ता में और भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में स्वीकृत किए गए महानिदेशालय और अस्पतालों के



उच्च पदों को प्रोन्नति से भरा जाएगा। अन्य खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है, जो जल्द ही पूरी हो जाएगी। इसके अलावा एसपी व अन्य भत्तों का लाभ दिलाने का प्रयास सरकार करेगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि नर्स कड़ी मेहनत करती हैं। ताकि दूसरों के घरों को रोशन किया जा सके। उन्होंने कहा कि मरीजों की जिंदगी बचाने में डॉक्टरों की तरह नर्स अहम भूमिका अदा कर रही हैं। नर्स डॉक्टर से ज्यादा मरीज के पास रहकर सेवा करती हैं। डॉक्टरों के निर्देशों को पालन कर मरीजों की सेवा करती हैं। उन्हें दवा देने से लेकर ड्रेसिंग तक करती हैं। आईसीयू-वेंटिलेटर के मरीजों की सेवा में नर्स 24 घंटे जुटी रहती हैं।

काम करते समय छत से गिरकर मजदूर घायल



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव समामई में छत पर काम करते वक्त दो मजदूर नीचे गिरकर घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार गांव जरैया न्याय पंचायत के माजरा भंभूजाट में एक मकान में चिनाई कारं चल रहा है। जहां गांव समामई निवासी राजेन्द्र पुत्र नौबतराम (45) तथा नगला भंभू जाट निवासी लक्ष्मण पुत्र फतेह सिंह (27) पाइ बांधने का कारं कर रहे थे। बताते हैं कि पाइ बांधते समय किसी प्रकार रस्सी टूट जाने से पाइ खुल गई, जिससे दोनों लोग नीचे गिरकर घायल हो गये। घटना की जानकारी होने पर मकान स्वामी एवं अन्य लोगों ने घायल को उपचार के लिए सीएचसी पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने के कारण दोनों को उपचार हेतु अलीगढ़ रेफर किया है।

दो माह से कटा है शहबाजपुर-सुनगढ़ी मार्ग, ग्रामीण परेशान

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। गंजडुंडवारा ब्लॉक क्षेत्र में स्थित शहबाजपुर-सुनगढ़ी मार्ग पिछले दो माह से अधिक समय से कटा पड़ा है। गंगा नदी की बाढ़ का पानी आने के कारण यह मार्ग 25 से 30 फुट गहरा हो गया है। इसकी वजह से क्षेत्रीय ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मार्ग के दुरुस्त कराने क मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक शहबाजपुर सुनगढ़ी मार्ग गंगा की बाढ़ के पानी की वजह से कट गया था। अब यहां एक गहरी खंदी हो गई है। इसकी वजह से लोग यहां से आवागमन नहीं कर पा रहे हैं। दो माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी यहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। स्थानीय निवासी राजकुमार, वॉरेड, महावीर और लोक सिंह को मानें तो यह मार्ग कई गांवों को आपस में जोड़ता है। मार्ग कट जाने के कारण ग्रामीणों और अन्य यात्रियों को आवागमन में परेशानियां हो रही हैं। उन्हें अपनी दैनिक जरूरतों का सामान लेने के लिए कई किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या के बारे में शासन प्रशासन को भी अवगत करा दिया है। अधिकारी मौके पर आकर मुआयना कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द ही सड़क को दुरुस्त कराने की मांग की है।

मौसम परिवर्तन के साथ ही रोगियों की संख्या बढ़ी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/पटियाली। क्षेत्र में मौसम में हुए बदलाव के बाद सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ गई है। शुक्रवार की शाम 4 बजे तक पटियाली सीएचसी पर 200 से अधिक मरीज उपचार लेने के लिए पहुंचे। मरीजों में शामिल बच्चे सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार की चपेट में थे। सभी को निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही बीमारियों से बचाव के बारे में भी बताया गया। सीएचसी में तैनात चिकित्साधिकारी डा. आकाश ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तापमान में गिरावट और ठंडी हवाओं के कारण मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। अधिकतर मरीजों में सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार के लक्षण देखे जा रहे हैं, जिनमें बच्चों की संख्या सर्वाधिक है। इसके अलावा चर्म रोग से पीड़ित मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। सभी मरीजों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है, इसलिए सर्दी से बचाव बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग करें, गुनगुना पानी पिएं और बच्चों को ठंडे पानी में जाने से रोकें। साथ ही उन्होंने बताया कि यदि बुखार या खांसी-जुकाम लंबे समय तक बना रहे तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

छोटी खबरें

चाकू लगने से घायल हुए अधेड की अलीगढ़ में मौत

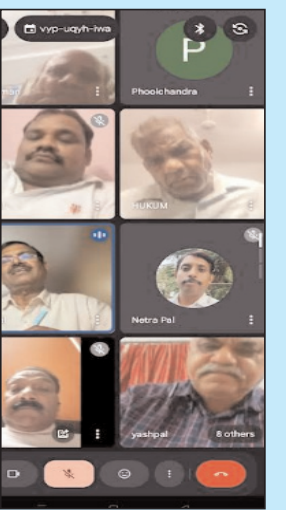
मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के गनेशपुर गांव में गत गुरुवार को झगड़े में चाकू लगने से घायल हुए अधेड की अलीगढ़ में उपचार के दौरान मौत हो गई। शनिवार को जैसे ही मौत की खबर परिवार के लोगों को हुई तो कोहराम मच गया। घटना के बाद से परिवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस को भी घटना से अवगत कराया है। बता दें कि गत दिवस नूर आलम उर्फ नूरा पुत्र नौसे गंजडुंडवारा के गनेशपुर गांव आए थे। यहां पारिवारिक विवाद के दौरान उस पर चाकू से हमला कर दिया था। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजनों ने बताया कि नूर आलम के पुत्र गुलफाम की शादी बली मोहम्मद की बेटी से हुई थी, लेकिन विवाहता अपनी ससुराल नहीं रहना चाहती थी। जबकि नूर आलम व गुलफाम गुजरात में रह रहे थे। जब नूर आलम गुरुवार को गंजडुंडवारा के गनेशपुर आया तो यहां बली मोहम्मद से झगडा हो गया। इसी दौरान उसके चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंजडुंडवारा से जिला अस्पताल और यहां से उसे अलीगढ़ भेजा गया। अलीगढ़ में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

आलोक की बैठक में समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) की प्रदेश कार्यकारिणी की वर्युअल बैठक शनिवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष यशपाल सिंह ने की। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिबल सिंह ने कहा कि संगठन की एकता जागरूकता और आर्थिक सहयोग किसी भी समाज या संस्था की मजबूती के तीन प्रमुख स्तंभ है। बादल वर्मा ने कहा कि एकता से संगठन में विश्वास सहयोग और समान बढ़ता है। प्रदेश अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक सदस्य को अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझना चाहिए, समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। राष्ट्रीय महामंत्री विजय राजपूत ने कहा कि आर्थिक सहयोग संगठन की नौव को मजबूत बनाता है। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुम सिंह ने कहा कि प्रदेश के सभी जनपदों के अध्यक्ष और प्रभारी को अपने-अपने जनपदों में बैठक कर सदस्यों की संख्या बढ़ाकर संगठन को मजबूत करना है। अन्य वकाओं में नेत्रपाल सिंह, दाऊ दयाल वर्मा, अरविंद कुमार, कुसुम पाल, कृपा शंकर वर्मा, खगेश्वर सिंह, जगदीश कुमार, हितेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह, श्रीपाल वर्मा, संजीव राजपूत, अरविंद राजपूत, राकेश राजपूत, रजत राजपूत, फूलचंद्र, नीरज कुमार, नरेश पाल सिंह, सखन कुमार शामिल रहे।



जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली पर आयोजित थाना समाधान दिवस में सुनी लोगों की फरियाद

फोटो ----- 3 --थाना समाधान दिवस में फरियाद सुनते जिलाधिकारी अतुल वत्स व पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से थाना सिकन्दराऊ पर जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई के दौरान उपजिलाधिकारी संजय सिंह, उपजिलाधिकारी न्यायिक शुभेन्दु गोपाल, क्षेत्राधिकारी सिकन्दराऊ जेएस अस्थाना, थाना प्रभारी सिकन्दराऊ, लेखपाल आदि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे

जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समाधान दिवस में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान 10 शिकायतों



भाजपा की कार्यशाला में स्नातक, पंचायत चुनाव पर हुई चर्चा अमांपुर विस की कार्यशाला में शामिल हुए बृथ, मंडल अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर विधान सभा क्षेत्र के कस्बा मोहनपुर के समीप भारतीय जनता पार्टी की कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में स्नातक, पंचायत चुनाव के साथ ही लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर चर्चा की गई। जिला प्रवासी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष, विधायक ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यक्रमों से अवगत कराया और उन्हें सफल बनाने की अपील की। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला प्रवासी क्षेत्रीय मंत्री अशोक पिंपल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष रजनीकांत माहेश्वरी, विधायक अमांपुर हरिओम वर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस दौरान सबसे पहले शिक्षक एवं एमएलसी चुनाव में वोट बढ़ाने के काम की समीक्षा की गई। उसके बाद सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में विधानसभा स्तर पर भ्रमण कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। बृथ अध्यक्षों को उनके कार्य बताए



गए। साथ ही पंचायत चुनाव की तैयारियों के बारे में भी जानकारी दी। जिला प्रवासी क्षेत्रीय मंत्री अशोक पिंपल ने कहा कि प्रत्येक विधानसभाओं पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समाज के लोगों के साथ एकजुट होकर पदयात्राएं निकाली जा रही हैं। विशिष्ट अतिथि एमएलसी एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष रजनीकांत माहेश्वरी ने सरदार बल्लभभाई पटेल के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा, जिला

महामंत्री संजय सोलंकी, दिनकर राव चतुर्वेदी, जय सिंह वर्मा, ब्लॉक प्रमुख कृष्णा राजपूत, बृजेश वर्मा, राजपाल वर्मा, विजेंद्र वर्मा, कृष्णकांत वशिष्ठ, बिल्लू गुप्ता, लोकेन्द्र सिंह, गोविंद चतुर्वेदी, हरिभान शांन्य, मनोज चैहान, निचर सिंह सोलंकी, रेनू सोलंकी, नंदकिशोर, तौकीर अहमद, सोनू, विक्रम राजपूत, प्रेम किशोर सोलंकी, संतोष सोलंकी, सुमित कुमार मिश्रा, राम लखन सोलंकी मौजूद रहे।

भाजपा की वास्तविक शक्ति है बृथ अध्यक्ष-नीरज शर्मा तीनों विधानसभाओं पर बृथ प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। भाजपा ने जिले की तीनों विधानसभाओं पर बृथ प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन गया। 100 कासगंज विधान सभा का प्रशिक्षण कार्यशाला भाजपा जिला कार्यालय पर, 101 अमांपुर की मोहनपुर कस्बे के बाबा बालक दास की मणि एवं 102 पटियाली विधानसभा क्षेत्र के प्रशिक्षण कार्यशाला पं दीनदयाल हॉल सिडपुरा में आयोजन किया गया।

तीनों ही विधान सभा पर बृथ अध्यक्षों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। सभी कार्यशालाओं में विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बृथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

आपको बताते चलें कि भारतीय जनता पार्टी आने वाले शिक्षक एमएलसी चुनाव



सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती एवं त्रिस्तरीय चुनाव को बहुत ही गंभीरता से ले रही है इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी ने जिले की तीनों विधानसभाओं 100 कासगंज 101 अमापुर एवं 102 पटियाली पर मतदाता पुनरीक्षण, बृथ अध्यक्ष सम्मेलन एवं सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को लेकर तैयारी शुरू करने के साथ-साथ उसमें बृथ अध्यक्षों को सहभागिता करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी

कासगंज पूरम बजाज ने कहा कि आगे आने वाले वर्ष में शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी का चुनाव भी होना है, जिसके लिए मतदाता फॉर्म को भरकर काफी बड़ी संख्या में मतदाता बनाए गए हैं एवं पंचायत चुनाव में कार्यकर्ता पूरी दमखम के साथ लगे, वही कार्यक्रम में उपस्थित जिले के प्रवासी एवं क्षेत्रीय मंत्री अशोक पिंपल व जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी बृथ अध्यक्ष हमारी रीढ़ की हड्डी की तरह काम कर रहे हैं, आगे

बताते हुए उन्होंने कहा की जो अभिभावक भारतीय जनता पार्टी के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं ने अभी शिक्षक एवं स्नातक चुनाव के लिए बहुत बड़ी संख्या में शिक्षक एवं सस्नातक मत दाताओं को मतदान के लिए जोड़ने का काम किया है, आगे बमतो हुए उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 में जयंती के लिए प्रत्येक विधानसभाओं में पदयात्रा घूमेगी, उसके लिए अधिक से अधिक संख्या में लोगों एवं कार्यकर्ताओं को जागरूक करके देशभक्ति

का जज्बा पैदा करने का काम करें, वही कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष केपी सिंह सोलंकी, रमेश साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह पुंडीर, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश गुप्ता, आयोग के सदस्य महेंद्र सिंह राणा, राजवीर भला, कोशल साहू, कृष्णकांत वशिष्ठ, शिवकुमार भारद्वाज, कोशल साहू, रामेश्वर दयाल महेंरे, कुलदीप प्रतिहार, रामनिवास राजपूत, रविंद्र लोधी, रविंद्र ब्रह्मचारी, बिलराम अध्यक्ष विजयराज, रूप किशोर कुशवाहा, पूर्व चेयरमैन खूब सिंह, अखंड प्रताप पुंडीर, आदित्य काकोरिया, मयंक वैश्य, तेजेंद्र लोधी, गौरव पाल, शिव प्रताप सोलंकी, प्रदीप चैहान, प्रीति सोलंकी, नेहा सोलंकी, अनुरोध चैहान, शैलेंद्र यदुवंशी, लालू वर्मा, प्रमोद वर्मा ठेकेदार, मोकम सिंह वर्मा, अजय शर्मा एवं आईटी प्रभारी हिमांशु उपाध्याय सहित सैकड़ों की संख्या में बृथ अध्यक्ष एवं निष्ठावान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केंद्र ने एक परिवार को मिलाया



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज सुशील कुमार के पर्यवेक्षण में पुलिस कार्यालय परिसर कासगंज में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में टूटने की कगार पर खड़े 01 परिवार की काउंसिलिंग कर दोनों पक्षों को समझाते हुए आपसी सहमति से पुनः एक साथ रहने के लिए सहमत किया गया है। जिसमें कुमकुम पुत्री बिसन्वर निवासी पंचौर जंगल थाना व जनपद कासगंज, और अमित पुत्र देवेन्द्र

निवासी गौतम कॉलोनी नरेला दिल्ली को एक साथ रहने के लिए राजी किया है। आपसी मतभेद के कारण परिवार परामर्श केंद्र में उक्त मामले की पत्रावली प्रचलित थी। परिवार को परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया तो अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए दोनों पक्ष एक साथ रहने के लिए तैयार हो गए। आज की बैठक में महिला आश्रम कल्पना, काउंसलर अनीता उपाध्याय, सिखा अग्रवाल एवं गीताजिती आदि मौजूद रहीं, जिनके सार्थक प्रयास से दम्पति द्वारा अपनी सहमति से पुनः एक साथ रहने को राजी हुए हैं।

हिसार में एसआई की पीट-पीटकर हत्या मर गई संवेदनाएं... चिल्लाते रहे एसआई रमेश कुमार, कोई बचाने नहीं आया

हिसार



ढाणी श्यामलाल की गली नंबर-3 में वीरवार रात 11 बजे हुड़दंगी एसआई रमेश कुमार को लाठी-डंडों से पीटते रहे, वे चिल्लाते रहे...पर उन्हें बचाने कोई नहीं आया। रमेश कुमार का गली-मोहल्ले में लगभग सभी लोगों के साथ मेल-मिलाप था। आने-जाने के दौरान अक्सर लोगों से बतियाते थे, उनका हालचाल पूछते थे, मगर उनकी कराह किसी को सुनाई नहीं दी।

सुबह जब लोगों से पूछा तो बताया कि उन्हें तो पता ही नहीं चला। यह सोचकर बाहर नहीं आए कि रोज गलियों में शोर मचाते घूमने वाले हुड़दंगी होंगे, थोड़ी देर में चले जाएंगे। हालांकि शुक्रवार सुबह से ही लोगों का उनके घर जमावड़ा लगने लगा था। वे रात की घटना से स्तब्ध थे और ग्लानि भी महसूस कर रहे थे कि जख़ूरत के वक्त वे एक अच्छे पड़ोसी के काम न आ सके। हमलावर करीब 10.30 बजे मोहल्ले में पहुंचे और शोर-शराबा

करने लगे। उस समय एसआई रमेश कुमार घर पर ही थे। हमले के बाद पति की चीख सुनकर पत्नी बबली बाहर आई तो वे लहलुहान पड़े थे। उन्हें इस हालत में देखकर वे बेसुध हो गई। चिल्लाते हुए मदद की गुहार

लगाई। हाथ पर डंडा लगने से चोटिल भतीजा अमित तब वहीं पर था। चाची को संभालते हुए पुलिस को सूचना दी। उसने चिल्लाकर आवाज दी तो कुछ लोग बाहर आए।

ढाई साल पुराने हत्या कांड में नौ दोषियों को उम्रकैद अदालत ने कहा—समाज में भय और क्रूरता का प्रतीक यह हत्या



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ढाई साल पुराने एक सनसनीखेज हत्या कांड में शुक्रवार को अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया। अपर जिला जज (पांच) मुद्दल की अदालत ने थाना रकाबगंज क्षेत्र में हुड़दग आबिद उर्फ मूसा हत्याकांड में नौ आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन

कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने सभी दोषियों पर कुल रु. 2.15 लाख का जुर्माना भी लगाया।

यह मामला उस समय पूरे शहर में चर्चा का विषय बना था, जब आबिद उर्फ मूसा की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद मंटोला और रकाबगंज क्षेत्र में तनाव का माहौल फैल गया था।

यूपी में एसआईआर: माता-पिता के साथ सिर्फ इन परिवारिक लोगों के ब्योरे होंगे मान्य

लखनऊ

मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में माता-पिता और दादा-दादी का ब्योरा ही मान्य होगा। यूपी में किसी अन्य रक्त संबंधी की डिटेल बीएलओ नहीं लेंगे। इस संबंध में सभी बीएलओ को निर्देश दे दिए गए हैं।

इन दिनों एसआईआर के लिए गणना फॉर्म वितरित करने का काम चल रहा है। गणना फॉर्म मतदाताओं की बांटने और इन्हें भरवाकर वापस लेने का काम 4 नवंबर को प्रारंभ हुआ था, जो 4 दिसंबर तक चलेगा। गणना फॉर्म में यह व्यवस्था की गई है कि अगर वर्ष 2003 की मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम है, तो उसे उस विधानसभा क्षेत्र की संख्या, भाग संख्या और क्रम संख्या का ब्योरा देना होगा। इसके बाद उससे कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। गणना फॉर्म एक कॉलम में यह व्यवस्था भी की गई है कि अगर उस व्यक्ति का खुद का नाम वर्ष

2003 की मतदाता सूची में नहीं है, पर उसके संबंधी (रिलेटिव) का नाम 2003 की सूची में है, तो वह अपने उस संबंधी का ब्योरा दे सकता है। बाद में आयोग की सुनवाई के दौरान उस संबंधी से अपना रिश्ता साबित करने के लिए उसे कोई एक मान्य दस्तावेज लगाना होगा।

यहां सवाल यह है कि संबंधी की श्रेणी में कौन-कौन आएगा। चुनाव आयोग के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि इसमें सिर्फ माता-पिता, दादा-दादी और नाना-नानी की डिटेल ही भरी जा सकती है। जब कोई मतदाता अपना गणना प्रपत्र ऑनलाइन भरता है, तो उसमें इसे स्पष्ट भी किया जा रहा है। इसलिए किसी अन्य रक्त संबंधी यानी चाचा-ताऊ की डिटेल स्वीकार नहीं की जाएगी। यहां बता दें कि पश्चिमी बंगाल में रक्त संबंधियों में चाचा-ताऊ (अंकल) को शामिल करने की मांग उठ रही है।

'आईएसएस' गौरव ने दिए थे एक करोड़: बिहार चुनाव में खपने थे ये रुपये, मुकुंद ने ठूस-ठूसकर भर रखा था बैग

गोरखपुर



गोरखपुर स्टेशन पर करीब एक करोड़ रुपये के साथ पकड़े गए बिहार के रामचरण टोला, मोकामा (पटना) निवासी मुकुंद माधव ने पूछताछ में जीआरपी को उलझाने की कोशिश की।

पहले उसने कहा कि रकम गोरखपुर के बरगदाव के रहने वाले एक आईएसएस की है। फिर उसने खुद उसे फर्जी आईएसएस बता दिया। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि आखिरकार बरगदाव के वे शांतिर कौन हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी रकम खाने की कोशिश कर रहे हैं। पकड़े गए रुपये कथित तौर पर

मोकामा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे बाहुबली प्रत्याशी के प्रचार-प्रसार में खर्च के लिए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पकड़े गए मुकुंद से और पूछताछ कर

रमेश के बड़े भाई एसआई थे...

रमेश के पांच भाई हैं। सबसे बड़े कृष्ण हरियाणा पुलिस में एसआई थे। उनकी हादसे में मौत हो चुकी है। दूसरे नंबर पर रामगोपाल पशुपालन विभाग से रिटायर हो चुके हैं। तीसरे भाई रोहतास कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारी के पद से रिटायर हो चुके हैं। रमेश चौथे नंबर पर थे। सबसे छोटें भाई सुरेश आटा चक्की चलाते हैं। वे ऋषि नगर में चलाए जा रहे दिव्यांग पुनर्वासि केंद्र में सहायक के तौर पर भी काम करते हैं।

यह थानेदार है पहले इसको देखते हैं...

भतीजे अमित ने बताया कि रात में घर में सो रहा था। करीब 10.30 कुछ लोग हुड़दंग कर रहे थे। वे हमारे ही समाज के थे। वे हमें अच्छी तरह जानते भी हैं। गाली गलौज करने लगे तो उन्हें टोका। इस पर वे धमकी देकर चले गए। लगभग 11 बजे करीब 15 लोग हाथ में डंडे, गंडासी, ईंट लेकर आए चाचा के घर के बाहर इंटें बरसाने लगे। चाचा बाहर आए तो बोले- यह थानेदार है पहले इसको देखते हैं। इसी के साथ उनके सिर पर ईंट से वार किया। अन्य लोग डंडों से पीटने लगे। मैं दौड़कर आया और चाचा को बचाने लगा तो धमकी दी कि एक का तो काम कर दिया, तुझे भी नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद वे भाग गए। नई सज्जी मंडी चौकी इंचार्ज एसआई राजबाला ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाशी में जुटे हैं।

यह है मामला

हिसार के मिलगेट क्षेत्र में स्थित श्यामलाल की ढाणी में वीरवार रात हुड़दंग कर रहे कुछ लोगों ने टोकने पर मामूली कहासुनी के दौरान हरियाणा पुलिस के उपनिरीक्षक रमेश कुमार की ईंट-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को पिता-पुत्र सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए भाग रहे तीन आरोपी गिरने से चोटिल हो गए। इनके हाथ-पैर में फ्रेक्चर हो गया है। पुलिस ने मौके से हमलावरों की एक कार और दो स्कूटी बरामद की हैं। पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब 6 बजे परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। एसआई रमेश के सहयोगी दिनेश कुमार ने बताया कि उन्हें घुड़सवारी का शौक था। वे हर जरूरतमंद की मदद करने में आगे रहते थे। वे अक्सर कहते थे रिटायरमेंट के बाद दाढ़ी रखूंगा। फिर भारत भ्रमण के लिए निकलूंगा। एक महीना पहले ही स्वास्थ्य सुधारने के लिए चाय भी छोड़ दी थी।

शराब पिलाने के बाद की गई थी बेरहमी से हत्या

पुलिस जांच के अनुसार, मृतक आबिद उर्फ मूसा को आरोपियों ने शराब पिलाने के बहाने बुलाया था। शराब के नशे में धुत होने के बाद उसकी बुरी तरह पिटाई की गई और जान से मार दिया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। परिजनों की तहरीर पर रकाबगंज पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

अदालत ने कहा—अपराधियों के लिए नरमी की कोई गुंजाइश नहीं

अपर जिला जज मुद्दुल ने सजा सुनाते हुए टिप्पणी की कि यह अपराध समाज में भय और क्रूरता का प्रतीक है। अदालत ने कहा कि ऐसे अपराधी जो मानवता की सीमा लांघ जाते हैं, उनके लिए किसी भी प्रकार की नरमी नहीं दिखाई जा सकती। सजा पाने वालों में मंटोला क्षेत्र के संजु, टीटू, बकरा, ब्रजेश, कलुआ, राजाबाबू, गुलाब सिंह, संदीप और नरेंद्र शामिल हैं। सभी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी पाया गया है। अदालत ने प्रत्येक आरोपी को आजीवन कारावास के साथ-साथ जुर्माना अदा करने का आदेश दिया है। फैसला सुनाए जाने के दौरान अदालत परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सजा सुनते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिवारजन ने राहत की सांस ली कि लंबे समय बाद उन्हें न्याय मिला।

पुलिस ने भारी फोंस की मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था और तत्परता से जांच शुरू की थी।

पुलिस ने जुटाए ठोस सबूत, फॉरेंसिक रिपोर्ट बनी निर्णायक

थाना रकाबगंज पुलिस ने इस मामले में

वैज्ञानिक सबूतों और गवाहों के बयान के आधार पर मजबूत चार्जशीट तैयार की। फॉरेंसिक रिपोर्ट ने हत्या के तथ्य की पुष्टि की और अदालत में प्रस्तुत सबूतों ने सभी आरोपियों की सलिंपता को साबित कर दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से मजबूत पैरवी की गई, जिसके बाद अदालत ने सभी नौ आरोपियों को हत्या का दोषी पाया।

30 साल बाद प्यार पाने का चढ़ा ऐसा जुनून: प्रेमिका की खातिर अधेड़ ने पत्नी को दिया तलाक, 25 साल का रिश्ता तोड़ा



दूसरे प्रदेश उत्तराखंड में हो गई थी और अधेड़ की शादी दूसरी जगह से हो गई थी। साल भर पहले प्रेमिका के पति की किसी कारण मृत्यु हो जाती है, जिसके बाद एक बार फिर से अधेड़ और प्रेमिका के बीच की दूरियां, नजदीकियों में बदल गईं और पुराना प्यार परवान चढ़ गया। सालभर के बीच अधेड़ और प्रेमिका के आपत्तिजनक फोटो भी पत्नी, बेटी, बेटे और दामाद के हत्ये लग गए। मामले का खुलासा होने पर घर में कलह होना शुरू हो गया।

दामाद के मुताबिक चार दिन पहले मामला इतना बिगड़ गया कि अधेड़ ने प्रेमिका के खातिर पत्नी

मसवासी में प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी युवती

रामपुर के ही मसवासी चौकी क्षेत्र के एक गांव में प्रेम प्रसंग के मामले को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों ने पड़ोसी युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है, जबकि युवती ने खुद को बालिंग बताते हुए प्रेमी से अपनी मर्जी से शादी करने की बात कही है मामला बीते दो दिन पहले का बताया जा रहा है। एक व्यक्ति ने चौकी पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाला युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। जब वह युवक के घर पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। वहीं शुक्रवार शाम को चौकी पहुंची युवती ने पुलिस को आधार पत्र सहित अपने बालिंग होने के प्रमाण सौंपे और परिजनों के आरोप को निराधार बताया। युवती का कहना है कि उसने अपनी मर्जी से युवक से विवाह कर लिया है। साथ ही अपने माता-पिता पर मारपीट और जबरन रोकने का आरोप लगाया है। चौकी प्रभारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि युवती ने तहरीर देकर स्वयं को बालिंग बताते हुए युवक से अपनी मर्जी से शादी करने की बात कही है। जबकि परिजन नाबालिंग होने के प्रमाण नहीं दिखा सके। मामले की जांच की जा रही है।

को तीन तलाक दे दिया। तलाक का विरोध करने पर पति ने मारपीट की कोशिश की की।

तलाक के बाद पत्नी फफक-फफक कर रो पड़ी और मायके पक्ष से शिकायत की। फिलहाल

मामला चर्चाओं में है। हालांकि यह मामला अभी कोतवाली तक नहीं पहुंचा है। पतिजनों के मुताबिक शुक्रवार को अधेड़ की शादी होने की चर्चा चल रही थी और पीड़ित पत्नी समेत सभी लोग परेशान थे।

लखनऊ : टेरर फंडिंग, घुसपैठियों को पनाह देने वाले फरहान को एटीएस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ



यूपी एटीएस ने धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने के लिए विदेश से 11 करोड़ रुपए की फंडिंग जुटाने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को पनाह देने के आरोप में दिल्ली निवासी फरहान नबी सिद्दीकी को शुक्रवार को नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। वह भड़काऊ सामग्री वाली किताबों का प्रकाशन भी करता है और फंडिंग जुटाने वाली कंपनी इस्तानबुल इंटरनेशनल कंपनी का सह निदेशक है। इस रकम से यूपी के अमरौहा और पंजाब में मस्जिद और मदरसे बनाने के लिए जमीनों को खरीदा गया था।

एटीएस के मुताबिक फरहान अपने साथी नासी तोर्बा के साथ मिलकर कई कंपनियों का संचालन करता है। वह ग्रेटर नोएडा में भड़काऊ सामग्री वाली किताबों का प्रकाशन करने के साथ वितरित भी करा रहा था। वहीं तुर्की और जर्मनी से तमाम लोग आते थे, जिसकी सूचना पुलिस को नहीं दी जाती थी। उनकी कंपनियों में विदेश से हवाला एवं अन्य माध्यम से पैसा मंगाया जा

रहा था। दोनों अपने कई सहयोगियों के साथ इस्तानबुल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, हकीकत वाकफी फाउंडेशन, रिपल ग्लोबल एक्सप्रेस लाजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड आदि कंपनियों का संचालन कर रहे थे। वहीं ग्रेटर नोएडा के कासना में हकीकत प्रिंटिंग पब्लिकेशन का इस्तेमाल धार्मिक एवं विभिन्न समूह के बीच शत्रुता एवं वैमनस्यता फैलाने वाली किताबों का प्रकाशन करने में कर रहे थे।

अवैध रूप से भारत आने वाले बांग्लादेशियों को फरहान नबी सिद्दीकी शरण दे रहा था। उसके पास से 2 मोबाइल, 3 लैपटॉप और हिंदी, उर्दू, अरबी, बांग्ला भाषा में प्रकाशित 12 किताबें बरामद की गई हैं। एटीएस ने इस मामले का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शादी और एक बच्चा होने के बाद विवाहिता को हुआ इश्क

प्रेमी के लिए पति को दी धमकी, रचाई शादी

जौनपुर



एक पति ने पत्नी की धमकी से डरकर उसे तहसील ले जाकर न सिर्फ तलाक दे दिया, बल्कि शादी भी उसके प्रेमी को बुलाकर करा दिया। खास बात यह रही कि शादी से लेकर विदाई तक मौजूद रहा। यह अनेखा मामला क्षेत्र के ताखा शिवपुर गांव का है।

हुसैनाबाद गांव निवासी श्याम बली की बेटी रवीना की शादी जून 2021 में ताखा शिवपुर निवासी ज्ञानचंद्र से हुई। ज्ञानचंद्र के मुताबिक उसका वैवाहिक जीवन शुरू में खुशहाल रहा और उनके तीन वर्षीय एक पुत्र भी है। कुछ समय बाद वह अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए अहमदाबाद (गुजरात) में नौकरी करने चला गया। इसी बीच, पत्नी का अपने मायके हुसैनाबाद के निवासी प्रदीप गौतम से संपर्क हो गया। दोनों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत शुरू हुई जो धीरे-धीरे मुलाकातों में बदल गई। बताया जाता है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध गहराता चला गया। ससुराल वालों को

जब इस संबंध की जानकारी मिली तो उन्होंने रवीना को समझाने की कोशिश की। आरोप है कि विवाहिता उल्टा परिवार को धमकी देने लगी कि अगर मामला आगे बढ़ाया गया तो वह खुदकुशी कर सबको फंसा देगी। इससे डरकर ससुराल वालों ने पूरा मामला उसके पति ज्ञानचंद्र को बताया। दीपावली के अवसर पर जब ज्ञानचंद्र घर लौटा, तो उसने पत्नी का मोबाइल फोन देखा और सारा राज खुल गया। पति के मुताबिक उसने अपनी पत्नी के मायके वालों से बात की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। अंत में उसने खुद ही निर्णय लेते हुए शुक्रवार को

अपनी पत्नी के प्रेमी को तहसील परिसर में बुलाया। वहां उसने पहले अपनी पत्नी को तलाक दिया और फिर समाज के सामने उसकी शादी उसी प्रेमी प्रदीप गौतम से करा दी।

इस घटना की चर्चा पूरे क्षेत्र में है। ग्रामीणों का कहना है कि पति का यह कदम समाज में मिसाल तो बना, लेकिन यह भी दर्शाता है कि मोबाइल और आधुनिक संपर्क माध्यम किस तरह वैवाहिक रिश्तों को प्रभावित कर रहे हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक किशन कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। किसी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है।

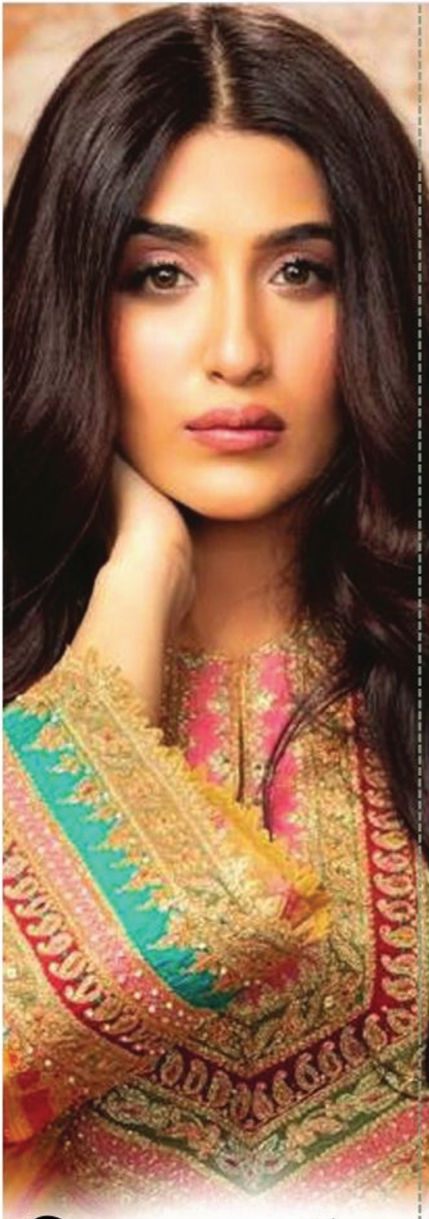
प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, नाक में कट्टा सटा मारी थी गोली

परिजन बोले- नहीं करेंगे दाह संस्कार, पहुंची पुलिस



अंबेडकर नगर जिले के जैतपुर क्षेत्र के तिचरा गांव में प्रॉपर्टी डीलर राजकमल उर्फ बंटी यादव (24) के नाक में सटकार गोली मारी गई थी। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। 32 बोर की गोली राजकमल के सिर के ऊपरी हिस्से में फंसी थी, जिसे चिकित्सकों की टीम ने निकाला। राजकमल की मां तारा देवी ने आरोप लगाया कि एक करोड़ की रंगदारी नहीं देने पर बेटे की हत्या की गई। उन्होंने आरोपियों को कठोर सजा देने की मांग की है। शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के बाद राजकमल का शव पैतृक आवास अहरोला थाना क्षेत्र के हांसापुर खुर्द पहुंचा तो परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया था। सूचना पर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उच्च अधिकारियों व तहसीलदार बृहनपुर शैलेश कुमार को जानकारी दी। जिला प्रशासन के आश्वासन पर रात करीब 8.30 बजे परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार तमसा घाट पर किया।

हांसापुर खुर्द गांव निवासी राजकमल यादव की अंबेडकर नगर जनपद के जैतपुर थाना अंतर्गत तिचरा गांव में छह नवंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे हत्या कर दी गई थी। वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। इस मामले में अहरोला थाना क्षेत्र के काली प्रसाद जायसवाल, रामसिंह उर्फ बड़े टिल्लू, अवनीश यादव, पंकज गिरी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। मां तारा देवी ने बताया कि घटना से एक दिन पहले आरोपियों ने बेटे राजकमल से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। उस दिन शाम को बेटे ने यह बात घर में बताई थी, पर उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया। घटना के दिन राजकमल घर के अंदर था और गेट पर बाहर से ताला बंद था। आरोपियों में से दो लोग वहां पहुंचे, राजकमल ने खुद चलायी देकर गेट खुलवाया और वे लोग उसे उसकी गाड़ी में बैठाकर ले गए। तिचरा गांव के पास बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। राजकमल की मां ने जैतपुर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया। उनका कहना है कि जब वे थाने पहुंचीं और बेटे की हत्या की तहरीर दी तो पुलिस ने देर रात तक टालमटोल किया। रात करीब 10 बजे तहरीर बदलने का दबाव बनाया गया और गोली लगने की बात हटवाकर मुकदमा दर्ज किया। तारा देवी का कहना है कि करीब तीन वर्ष पहले आरोपियों ने दोस्ती कर बेटे को अपने जाल में फंसाया। अहरोला बाईपास स्थित तीन बिस्वा जमीन काली जायसवाल के नाम रजिस्ट्री करवा ली और पैसे भी नहीं दिए।



निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूँढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है। सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घुमगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है। उनके फैंस भी लंबे समय से उन्हें किसी नए रूप में देखने के लिए उत्साहित हैं, और यह सीरीज उनके करियर में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।



वेब इश्यूज को लेकर अशनूर कौर ने साझा की परेशानी

काफी दिनों से बिग बॉस 19 में अशनूर कौर को बॉडी शेम किया जा रहा था, उनके वजन को लेकर बातें बनाई गईं। इस बात का खुलासा सलमान खान ने वीकएंड का वार एपिसोड में किया कि बाकी लोग अशनूर के बारे में क्या कहते हैं। इसके बाद अशनूर ने अपनी परेशानियों को शाहरुख खान के साथ शेयर किया। अशनूर ने कहा, 'जब मैं शूटिंग सेट पर जाने लगी तो काफी वेब बढ़ गया था। टीनएज से वेब को कम करने के लिए मैंने कई चीजें कीं। एक वक्त ऐसा भी था, जब मैं खाना नहीं खाती थी, मैं भूखी रहती थी।' 'बिग बॉस 19' में आने से पहले मैंने 9 किलो वजन कम किया था। लेकिन यहाँ आने के बाद फिर से मेरा वेब बढ़ गया। तब भी टेंशन का माहौल होता है तो कुछ लोगों का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी वजन बढ़ जाता है।'

सलमान खान ने किया सपोर्ट

अशनूर कौर की परेशानी सुनकर सलमान खान ने उनका सपोर्ट किया और वह बोले- मेरा भी वजन बढ़ जाता था। अशनूर ने आगे बताया, 'जब मैं 14 साल की थी, तब से एक्टिंग कर रही हूँ। तब से मैंने जंक फूड को हाथ भी नहीं लगाया। यहाँ हर कोई जानता है कि मेरा खाना कैसा है। सब मुझे थोड़ा खाने के लिए कहते हैं, लेकिन मैं नहीं खाती। हर किसी की बॉडी, वेब अलग होता है। लेकिन लोग यहाँ पीठ पीछे शर्माद करते हैं।'



दर्शकों के प्यार से गदगद मोनालिसा, नए प्रोजेक्ट की सफलता का मनाया जश्न

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा को कौन नहीं जानता। उन्होंने अपने दम पर भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में छाप छोड़ी है। अभिनेत्री ने अपनी नई माइक्रो ड्रामा सीरीज की टीम को धन्यवाद दिया। अपने अभिनय के लंबे सफर को तय करते हुए अभिनेत्री ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने सैयारा गाना भी ऐड किया। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा, मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।

सैयारा गाना फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक है, जिसे फरहीन अब्दुल ने गाया है और इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं और म्यूजिक तनिष्क बागची, फहीम अब्दुल्लाह और अरसलन निजामी ने दिया है। फिल्म सैयारा की बात करें तो इसे मोहित सूरी ने निर्देशित किया। फिल्म में अनीत पट्टा और अहान पांडे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष्ण कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार हैं जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पट्टा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्मों की, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में भोले शंकर से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्ग्स में भी डांस किया है।



जारी हुआ ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक, एक्शन मोड में दिखे जिमी और सिद्धार्थ

जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की अदाकारी वाली सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी कर दिया गया है। 2 नवंबर को सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन उद्घाटन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है।

नेटफिलक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी किया है। वीडियो जारी करते हुए पोस्ट में लिखा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन। सबसे बड़ा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन। सबसे बड़ा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन।

पर जल्द आ रही है ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज। ऑपरेशन सफेद सागर के पहले लुक में दिखाया गया है कि जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ के साथ कई दूसरे एक्टर्स पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हैं। इसके बाद लड़कू जहाजी से पाकिस्तान से मुकाबला करते हैं। सीरीज के पहले लुक को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है रविवार को शुरू करने का बहुत बढ़िया तरीका। एक और यूजर ने लिखा है बहुत अच्छी कास्ट है। एक और यूजर ने लिखा है स्क्रीन प्रदर्शन बहुत अच्छा है।



नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं तान्या मानिकतला

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अवसर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहाँ छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य

निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहाँ छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झाँकने पर मजबूर करेगा। तान्या के पास इस वक्त कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज पान पर्दा जर्दी में भी नजर आएंगी। यह सीरीज अपराध और राजनीति की उस दुनिया में ले जाती है, जहाँ अफ्रीम तस्करी का कारोबार चल रहा है। शो में उनके साथ प्रियांशु पेंचुली, सुराति सिंह, राजेश तेलंग और मनु ऋषि जैसे कलाकार हैं। कहानी मध्य भारत की पृष्ठभूमि में सेट है और इसमें एक्शन, ड्रामा और रहस्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलेगा। तान्या ने 2018 में स्कूल डेज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 2020 में उन्होंने ईशान खट्टर के साथ ए सूटबल बॉय में लता मेहरा का किरदार निभाया, जो उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ। 2021 में, वह नेटफिलक्स की फील्स लाइक इश्क में स्कंद दाऊर के साथ नजर आईं। वह नेटफिलक्स की हाउ टू फॉल इन लव में आधुप मेहरा के साथ भी दिखाई थीं। 2024 में उन्होंने फिल्म-किल में तुलिका का किरदार निभाया था।



लकजरी कार की कीमत में आता है दुनिया का ये सबसे महंगा फल

टोक्यो। फलों की दुनिया में हर किसी का अपना फेवरेट होता है। कोई आम का दीवाना होता है, तो किसी को खरबूजे की मिठास पसंद आती है, लेकिन क्या आपने कभी ऐसा खरबूजा देखा है, जिसकी कीमत में एक लकजरी कार आ जाए? जी हाँ, ये कोई मजाक नहीं, बल्कि हकीकत है। जापान का 'युबारी किंग मस्कमेलोन' दुनिया का सबसे महंगा खरबूजा माना जाता है।

जब एक जोड़ी खरबूजे बिकी 29 लाख रुपय में!

जापान के युबारी शहर में उगने वाला यह खास खरबूजा अपनी कीमत और गुणवत्ता दोनों से लोगों को चौंका देता है। 2019 में, एक जोड़ी युबारी किंग खरबूजे की नीलामी में 5 मिलियन येन (करीब 29 लाख रुपये) की बोली लगी थी। वहीं 2021 में, इनकी एक और जोड़ी 24,800 डॉलर यानी करीब 21 लाख रुपये में बिकी, यानी एक खरबूजे की कीमत उनी जितने में आप सैयूकी खरीद लें।



युबारी की मिट्टी और मौसम का कमाल

ये खरबूजे होक्काइडो द्वीप के युबारी शहर में उगाए जाते हैं, जहाँ का ज्वालामुखीय मिट्टी और ठंडा मौसम इन फलों को परफेक्ट स्वाद देता है। यहाँ की मिट्टी में प्राकृतिक खनिज होते हैं, जो फल को मिठास और खुशबू दोनों देते हैं। हर खरबूजे को बहुत ध्यान से उगाया जाता है। जैसे कोई कीमती रत्न।

हर फल को पहनाई जाती है 'पेपर हैट'

इन खरबूजों को 100 दिन तक बड़ी देखभाल में उगाया जाता है। धूप से बचाने के लिए इन्हें कागज की टोपी पहनाई जाती है। तोड़ने से पहले हर फल का निरीक्षण होता है। उसकी सुगंध, जालीदार छिलका और आवाज से तय किया जाता है कि वह परफेक्ट है या नहीं।

युबारी किंग इतना स्पेशल क्यों?

ये खरबूजे असल में दो प्रजातियों का हाइब्रिड मिक्स या संकर मिश्रण हैं। अर्ल का 'मसालेदार' कैटालूपा इसका स्वाद बेहद मीठा, मूलान और रसीला होता है, जो दुनिया के किसी भी और खरबूजे में नहीं मिलता। शायद यही वजह है कि जापान में ये खरबूजे लकजरी निपट के तौर पर दिए जाते हैं, जैसे कोई कीमती ज्वेलरी।